रमल-प्रश्नोत्तरी

(मायावर्ग प्रश्नोत्तरी सहित)

लेखक :

दीवान रामचन्द्र कपूर

मोतीलाल बनारसीदास

दिल्ली :: पटना :: वाराणसी

रमल-प्रश्नोत्तरी

(मायावर्ग प्रश्नोत्तरी सहित)

लेखक :

दीवान रामचन्द्र कपूर

प्रकाशक :

मोतीलाल बनारसीदास

दिल्ली :: पटना :: वाराणसी

प्रधान कार्यालय : बंग्लो रोड, जवाहरनगर, दिल्ली-७
शाखाएँ : १. चौक, वाराणसी-१ (उ० प्र०)
२. अशोक राजपथ, पटना (बिहार)

प्रथम संस्करण, वाराणसी १९६९
द्वितीय संशोधित संस्करण, वाराणसी १९७७
मूल्य रु. ५.००

श्री सुन्दरलाल जैन, मोतीलाल बनारसीदास, चौक, वाराणसी
द्वारा प्रकाशित तथा काशीनाथ शर्मा, नर्मदा प्रेस,
त्रिलोचनघाट, वाराणसी—द्वारा मुद्रित ।

समर्पण

अपनी धर्मपत्नी श्रीमती इन्दिरा कपूर को सप्रेम समर्पित

जिनके आग्रह के कारण इस जन-साधारण

उपयोगी घरेलू-ग्रन्थ का. मैंने

संकलन किया।

(दीवान) रामचन्द्र कपूर

(वाराणसी)

प्राक्कथन

इस प्रश्नोत्तरी का प्रयोग केवल कौतूहलवश अथवा तमाशा समझकर नहीं करना चाहिए। वास्तविक जिज्ञासा के समय ही इसका प्रयोग किया जाना चाहिए। प्रयोग करते समय मन में प्रश्न से सम्बंधित विषय भी साफ-साफ रहना चाहिए। द्विविधा जनक प्रश्न का उत्तर ठीक नहीं प्राप्त होगा। एक ही प्रश्न को दोबारा नहीं उठाना चाहिए और उसे कभी भी दोहराना नहीं चाहिए। स्थिर चित्त तथा स्वस्थ मन से प्रश्नों का उत्तर ठीक से घटता हुआ देखा गया है। इस प्रश्नोत्तरी के सम्बन्ध में यह कथा है कि—नेपोलियन महान् इसका प्रयोग किया करता था इसीलिए इस पद्धति को Napoleon's oraculum कहा जाता है। इस प्रश्नोत्तरी में प्रायः सभी सामान्य जिज्ञासाओं का उत्तर सन्निहित है। इसलिए यह प्रश्नोत्तरी प्रत्येक गृहस्थ के लिए उपयोगी है। उत्तर की प्रामाणिकता के बारे में इतना ही कहा जा सकता है कि 'विश्वासो फलदायकः'। यह प्रश्नोत्तरी (oraculum) संग्रह मात्र है, लेखक की इसमें कोई विशेष कृति नहीं है सिवाय यथोचित रूप देने के। यह पूर्व संपादित विषय का अपने रूप में हिन्दी में वह प्रकाशन मात्र है।

इस प्रश्नोत्तरी में जितने उत्तर हैं वे प्रायः सभी मुहावरों में हैं। सीधा-सादा कोई उत्तर नहीं है प्रत्युत साहित्यिक तथा उपदेशात्मक वा आदेशात्मक उत्तर हैं। इस दृष्टि से यह प्रश्नोत्तरी शिक्षाप्रद पुस्तिका भी है। आजकल पंचांगों तथा जंत्रियों में मायावर्ग तंत्रों से प्रश्नों का उत्तर छप रहा है। इसके स्रोत का हमें पता नहीं। इसका अनुसरण कर हमने भी इस प्रश्नोत्तरी के द्वितीय संस्करण में मायावर्ग प्रश्नोत्तरी दे दिया है। जिज्ञासु इसका प्रयोग कर तथ्य देख लें।

ब्रह्मनाल
वाराणसी

(दीवान) रामचन्द्र कपूर

प्रश्नोत्तरी का प्रयोग

प्रश्न सारणी में से आप अपना मनोभिलषित प्रश्न चुन लीजिए जिसका आप उत्तर चाहते हों। उस प्रश्न को आप अपने मन में धार लीजिए। तब स्वस्थ तथा स्थिर चित्त से किसी सादे कागज पर या स्लेट पर पांच पंक्तियों में सरलता से बिला गिने शून्य लिखते जाँय। किसी भी पंक्ति में शून्यों की संख्या १२ से कम रहे तो अच्छा है, पर शून्य लिखते समय १२ संख्या पर ध्यान केन्द्रित न हो। सरलता से जितनी भी संख्या शून्याकार लिख जाए सो ठीक हैं। ऐसा कर लेने के उपरान्त प्रत्येक पंक्ति के शून्यों की संख्या गिनिए। जिस पंक्ति में शून्यों की संख्या विषम (ताक) हो उसके आगे एक शून्य लिखिए और जिस पंक्ति में शून्यों की संख्या सम हो उसके आगे दो शून्य लिखिए। इस प्रकार पांचों पंक्तियों के आगे एक या दो जैसी स्थिति हो शून्य लिखा जायगा और तब ऊपर से नीचे पांचों पंक्तियों के आगे शून्यों का एक स्वरूप बन जाएगा। यह बना हुआ स्वरूप मनोभिलषित प्रश्नों का उत्तर सम्बन्धी स्वरूप है। उपरान्त इस स्वरूप को आगामी स्वरूप सारणी में खोजिए जिसके नीचे उस स्वरूप की संख्या दी गई है। इसी सारणी में प्रश्न संख्या तथा स्वरूप संख्या के सामने क–ख आदि उत्तराध्याय के अक्षर दिए गए हैं। आप उस अध्याय में अपनी प्रश्न संख्या तथा स्वरूप संख्या (जो उत्तरसंख्या है) देखिए। इसके सामने आपको अपने प्रश्न का उत्तर मिल जाएगा।

प्रश्न के उत्तर-प्राप्ति का उदाहरण

प्रश्न सारिणी में से तात्कालिक मनोभिलषित प्रश्न संख्या १ चुना और उसे मन में धार कर पांच पंक्तियों में इस प्रकार बिला गिने शून्य लिखा।

पंक्ति		जोड़	संख्या	स्वरूप	
(१)	००००००० =	७	=विषम =	०	प्रश्न संख्या १ का यह उत्तर का स्वरूप बना। जिसकी स्वरूपसारणी में संख्या ११ है।
(२)	००००० =	५	=विषम =	०	
(३)	०००० =	४	= सम =	००	
(४)	००० =	३	=विषम =	०	
(५)	०००० =	४	= सम =	००	

०
०

उपरोक्त स्वरूप ०० को स्वरूप सारणी में खोजा जिसकी उत्तर संख्या ११हैं

०
००

अब उस सारणी में प्रश्नसंख्या १ तथा स्वरूप संख्या ११ के सीध में अक्षर ट है। यह ट अक्षर उत्तर के पृष्ठों का अध्याय है। अध्याय ट को देखिए। उसमें प्रश्न संख्या १ तथा उत्तर संख्या ११ के सामने आपका उत्तर है।

यहां प्रश्न था (१) कि जिस स्त्री से मेरा विवाह होगा, वह कैसी होगी?

उत्तरः—पृष्ठ ट में प्रश्न १ उत्तर ११ के सामने लिखा है कि—

तुम्हारा विवाह एक प्रतिष्ठित तथा धनी परिवार में होगा। इसी प्रकार सभी ३२ प्रश्नों के उत्तर जानने की यही प्रक्रिया है।

———

श्रीः

प्रश्न सारणी

क्या ?

प्रश्नसंख्या

१ जिस स्त्री से मेरा विवाह होगा वह कैसी होगी, विवरण बताइए ?
२ वह वंदी (कैदी) छूट जाएगा या अभी कारागार (जेल) में ही रहेगा ?
३ मैं वृद्धावस्था तक जीवित रहूंगा ?
४ मेरा जीवन दूर देशों की यात्राओं में वा विदेश में ही व्यतीत होगा ?
५ मुझे किसी विवाद (मुकदमे) में उलझना पड़ेगा, यदि ऐसा हुआ तो उससे मुझे हानि होगी या लाभ ?
६ जूए से मेरा भाग्य बनेगा या बिगड़ेगा ?
७ मैं कभी भी सम्पत्तिवान होकर व्यापार से विश्राम लूंगा ?
८ मैं अपने लगन (वा उद्देश्य) में सफल तथा समुन्नत हो सकूंगा अर्थात् जिस काम के मैं पीछे पड़ा हुआ हूँ उसमें सफल होऊंगा ?

प्रश्नसंख्या

९ जिस काम को मैंने अभी उठाया है उसमें मैं सफल रहूँगा ?

१० मुझे कभी भी वसीयत से सम्पत्ति (जायदाद) प्राप्त होगी ?

११ पिछले वर्ष से यह वर्ष सुखद रहेगा ?

१२ मेरा नाम अमर रहेगा और मेरी सन्तान उससे लाभान्वित होगी ?

१३ जिस अपने मित्र पर मैं पूरा भरोसा करता हूँ वह विश्वसनीय रहेगा या मुझे धोखा देगा ?

१४ मेरी चुराई गई वस्तु मुझे मिल जायगी और चोर का पता लग जाएगा ?

१५ आजकल का कैसा वातावरण है। इन दिनों क्या तथा कैसे राजनैतिक परिवर्तन होंगे ?

१६ वह यात्री विदेश से शीघ्र लौट आवेगा ?

१७ मेरा प्रीतम(प्यारा,प्यारी)मेरी अनुपस्थिति में मेरे प्रति सच्चा रहेगा,रहेगी?

१८ जो शादी (विवाह) होने जा रही है वा होने को है वह सुखद तथा समृद्धिशाली रहेगी ?

१९ मेरी मृत्यु के पश्चात् मेरी संतान सुखी तथा सदाचारी रहेगी ?

२० मेरे वर्तमान दुर्भाग्य के दिन कभी भी फिरेंगे ?

२१ मेरा स्वप्न शुभ सूचक है या अशुभ सूचक ?

२२ मेरे जीवन में अत्यधिक उलटफेर (परिवर्तन) होते ही रहेंगे ?

२३ झूठे आरोपों से मेरी प्रतिष्ठा को धक्का लगेगा ही ?

२४ मेरे होनेवाले पति के बारे में पूरा विवरण दीजिए।

२५ अमुक रोगी रोगमुक्त हो जाएगा ?

२६ जिससे मैं प्यार करता (करती) हूँ वह मुझे भी प्यार व इज्जत करता (करती) है ?

२७ मेरी प्रस्तावित यात्रा सुखद तथा शुभ रहेगी ?

२८ मुझे कभी भी गड़ाधन, खज़ाना या अनायास धन मिलेगा ?

२९ मुझे किस व्यापार, उद्योग-धंधे या आजीविका में लगना चाहिए ?

३० मेरा कोई शत्रु है वा अनेक शत्रु हैं ?

३१ मेरे अनुपस्थित मित्र राजी खुशी हैं और वे इस समय क्या कर रहे हैं ?

३२ मेरी पत्नी को लड़का होगा या लड़की ?

प्रश्नों का उत्तर सम्बन्धी स्वरूप

प्रश्नसंख्या ↓	o o o o o	oo o o o o	o oo o o o	o o oo o o	o o o oo o	o o o o oo	oo oo o o o	o oo oo o o	o o oo oo o	o o o oo oo	o o oo o oo	o oo o oo o	oo o oo o o	o oo o o oo	oo o o oo o	oo o o o oo
उत्तरसंख्या →	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
१	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त
२	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ
३	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द
४	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध
५	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न
६	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प
७	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ
८	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब
९	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ
१०	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म
११	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य
१२	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र
१३	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल
१४	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व
१५	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श
१६	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष

प्रश्नों का उत्तार सम्बन्धी स्वरूप

o o	o	o	o	o	o o	o o	o o	o o	o o	o o	o o	o o	o o	o	o o	प्रश्नसंख्या
o o	o o	o	o o	o o	o	o	o o	o o	o	o o	o	o o	o o	o o	o o	↓
o o	o o	o o	o	o o	o	o o	o	o	o o	o o	o o	o	o o	o o	o o	
o	o o	o o	o o	o	o o	o	o	o o	o o	o o	o o	o o	o	o o	o o	
o	o	o o	o o	o o	o	o o	o o	o	o	o	o o	o o	o o	o o	o o	
१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	←उत्तरसंख्या
क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	१७
ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	१८
ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	१९
घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	२०
ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	२१
च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	२२
छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	२३
ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	२४
झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	२५
ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	२६
ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	२७
ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	२८
ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	२९
ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	३०
ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	३१
त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	३२

प्रश्नों का उत्तर सम्बन्धी स्वरूप

००	०	०	०	०	००	००	००	००	००	००	००	००	००	०	००	प्रश्नसंख्या 
००	०	०	००	००	०	०	००	००	०	००	०	००	००	००	००	
००	००	००	०	००	०	०	०	०	००	००	००	०	००	००	००	
०	००	००	००	०	००	०	०	००	००	००	००	००	०	००	००	
०	०	०	०	००	००	००	००	०	०	०	००	००	००	००	००	
१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	← उत्तरसंख्या
थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	१
द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	२
ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	३
न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	४
प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	५
फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	६
ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	७
भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	८
म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	९
य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	१०
र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	११
ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	१२
व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	१३
श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	१४
ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	१५
स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	१६

प्रश्नों का उत्तर सम्बन्धी स्वरूप

प्रश्नसंख्या ↓																
	o	oo	o	o	o	o	oo	o	o	o	o	o	oo	o	oo	oo
	o	o	oo	o	o	o	oo	oo	o	o	o	oo	o	oo	o	o
	o	o	o	oo	o	o	o	oo	oo	o	oo	o	oo	o	o	o
	o	o	o	o	oo	o	o	o	oo	oo	o	oo	o	o	oo	o
	o	o	o	o	o	oo	o	o	o	oo	oo	o	o	oo	o	oo
उत्तरसंख्या →	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
१७	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	प	स
१८	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क
१९	ध	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख
२०	न	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग
२१	प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ
२२	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ
२३	ब	भ	म	य	र	ल	व	श	प	स	क	ख	ग	घ	ङ	च
२४	भ	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ
२५	म	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज
२६	य	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ
२७	र	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ
२८	ल	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट
२९	व	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ
३०	श	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड
३१	ष	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ
३२	स	क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण

उत्तर

क

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	१	जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश तारों को नष्ट कर देता है उसी प्रकार तुम्हारी पत्नी महिलाओं में तेजस्वी होगी ।
२	३२	वंदी कारावास से मुक्त होगा, अपनी स्वतंत्रता को ठीक से वर्ते ।
३	३१	युवावस्था में तुम जितने संयमी रहे हो, उसी अनुपात से वृद्धावस्था का सुख होगा ।
४	३०	अज्ञात स्थान में जाना मत सोचो ।
५	२९	न्याय अंधा होता है पर सर्वदा बहरा नहीं । कई मामलों में वह सुवर्ण चांदी की मधुर झंकार सुन लेता है ।
६	२८	पहले पहल तुम्हारे विपक्षी तुम्हें धोखा देंगे ।
७	२७	जो लोग बहादुर तथा क्रियाशील हैं, भाग्य उनका साथ देता है ।
८	२६	सामयिक (इस समय के) भाग्य से संतुष्ट रहो ।
९	२५	सावधान, समझदारी से काम लो, सफलता मिलेगी ।
१०	२४	जो सम्पत्ति तुमने पैदा नहीं की है उसके लिए आशान्वित होकर मत फूलो कि मिलेगी ।
११	२३	कहीं तुम्हारी कोरी कल्पना तथा अव्यवस्थित चित्त तुम्हारे सुख को क्षति न पहुँचाए ।
१२	२२	अपने कुकृत्यों का ध्यान करो, तुम अपने स्वजनों से यह आशा क्यों रखते हो कि वे समय पर तुम्हें याद रखेंगे ।
१३	२१	जब तुमने अपने मित्र को मित्र पाया तो उसे सच्चा मानो और उसका आदर करो ।
१४	२०	खोए हुए माल की अचानक प्राप्ति हो जायगी ।
१५	१९	विजेता की शासकीय शक्ति का अपहरण होगा ।
१६	१८	आगंतुक के शीघ्र ही वापस आनेमें उसे कोई बाधा उपस्थित नहीं होगी ।

उत्तर

क

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	१७	ऐसा कोई कारण न उपस्थित करो जिससे तुम्हारा प्रिय तुम से विरक्त हो जाए ।
१८	१६	जो लोग अपने को तुम्हारा मित्र कहते हैं, उनके हस्तक्षेप से बचो तो तुम्हारा वैवाहिक सुख बना रहेगा ।
१९	१५	पौधे का सावधानी से सिंचन करो, वृक्ष होने पर अच्छा फल देगा ।
२०	१४	गोकि भाग्य ने पीछा मोड़लिया है फिर भी चंचल भाग्य पर तुम्हारे निजी प्रयत्न तथा काम से विजय होगी ।
२१	१३	शीघ्र विवाह का संकेत है ।
२२	१२	किसी भी प्रकार के भाग्य परिवर्तन के लिए तैयार रहो जो होने को है ।
२३	११	बुद्धिमानों की सम्मति प्राप्त करो, दुष्ट छिद्रान्वेषी जनों की अनिष्टप्रद टीकाओं पर ध्यान मत दो ।
२४	१०	तुम्हारा पति शीघ्र तुम्हारा हाथ पकड़ेगा (पाणिग्रहण करेगा) ।
२५	९	अनजान धूर्तों की सम्मति न लो, तुरत अपने विवेक से काम लो ।
२६	८	हतोत्साहित मत हो, प्रेम का प्रत्युतर मिलेगा ।
२७	७	प्रस्तावित यात्रा के लिए विश्वसनीय साथी ढूंढो, कोई परेशानी नहीं होगी ।
२८	६	छिपी हुई वस्तु पर अपना मस्तिष्क मत दौड़ाओ, जो कर्तव्य है उस पर ध्यान दो ।
२९	५	वह विषय चुनो जिसमें तुम्हारी बुद्धि अधिक चलती हो ।
३०	४	तुम्हारा कोई शत्रु नहीं है जो तुम्हें हानि पहुँचा सके ।
३१	३	तुम्हारा मित्र स्वस्थ है और इस समय वह तुम्हारे बारे में ही सोच रहा है ।
३२	२	उसे लड़के तथा लड़कियाँ होंगी ।

उत्तर

ख

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	२	अपनी परिस्थिति का ध्यान रखकर सोचो कि क्या तुम्हारे लिए विवाह करना उचित है ?
२	१	बंधन के सूत्र (कपाट) शीघ्र खुलेंगे।
३	३२	दुर्व्यसन का अन्तिम परिणाम मृत्यु है, इससे विरत हो तो दीर्घायु होगे।
४	३१	अपरिचित तथा विदेश भूमि से तुम्हें धन प्राप्त नहीं होगा।
५	३०	सत्कर्म में ईश्वर तुम्हारी सहायता करेगा।
६	२९	दूसरों के दाँवपर अपना दाँव मत लगाओ।
७	२८	साहसिक कार्य नहीं तो कुछ नहीं।
८	२७	विपरीत परिस्थितियों से हतोत्साहित मत हो।
९	२६	व्यवहार में सचाई तथा परमात्मा पर भरोसा करो, वह तुम्हारी वृद्धि करेगा।
१०	२५	यह संभव है कि प्रवासी तुम्हारे पक्ष में लिख दे।
११	२४	सावधान, तुम्हारी लालसा (लालच) तुम्हारे सुख का बाधक न बन जाए।
१२	२३	पाप तथा कुकृत्य से भावी संतान घृणा करेगी।
१३	२२	तुम्हारा मित्र जब एक समय धोखा दे चुका तो उसका दोबारा विश्वास क्यों करो।
१४	२१	चोरी करते समय ही चोर पकड़ा जाएगा।
१५	२०	साधारण घर में एक शक्तिशाली व्यक्ति का उदय होगा जो राष्ट्र को स्वतंत्र करेगा और दबी, उत्पीड़ित जनता का बन्धन तोड़ेगा।
१६	१९	प्रवासी के आगामी सुख से संबंधित विषय उसे शीघ्र वापस आने में बाधक हैं

उत्तर

ख

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	१८	दृढ़ रहो, डरो मत ।
१८	१७	यदि समय विपरीत (खराब) हो तो साहस से काम लो, उसे सही आगे अच्छे दिन अवश्य आवेंगे ।
१९	१६	यदि तुम अपनी संतान को सुखी देखना चाहते हो तो उन्हें सन्मार्ग की शिक्षा दीक्षा दो ।
२०	१५	दुर्भाग्य से सौभाग्य की ओर धीरे-धीरे समय आ रहा है, अपने उद्देश्य की सिद्धि के लिए बढ़ते जाने में कोताई न करना ।
२१	१४	धन धान्य समृद्धि का यह संकेत है ।
२२	१३	प्रसन्न हो जाओ, भाग्य के दिन फिरेंगे ।
२३	१२	तुम्हारा आचरणबल सभी झूठे आरोपों पर बली (हावी) हो जायगा ।
२४	११	तुम्हारे पति में बहुत से गुण हैं, कुछ अवगुण भी, उन्हें ठीक करलो तों दोनों सुखी रहोगे ।
२५	१०	ठीक से उपचार कीजिए (औषधि), तो बीमार कुछ ठीक हो जाएगा ।
२६	९	तुम्हारे प्रेमी का हृदय तुम्हारे पाने के लिए व्याकुल रहता है ।
२७	८	भगवान् से सहायता की याचना करो अन्यथा बिला दर्वाजे के मकान में पैर रखनें वाली बात होगी ।
२८	७	अपनी आत्मा की पुकार को नहीं सुनोगे तथा भगवत् शरण नहीं जाओगे तो निराशा होगी और चिढ़ जाएगी ।
२९	६	अपने सम्बन्धियों (रिस्तेदारों) में से सबसे धनी को चुनो ।
३०	५	तुम्हें सतर्क रहना ही चाहिए ।
३१	४	तुम्हारे मित्र अच्छी तरह हैं और वे तुम्हारा हितचिंतन कर रहे हैं ।
३२	३	उसे एक लड़का होगा जो महाधनी तथा यशस्वी होगा ।

उत्तर

ग

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	३	तुम्हें सदाचारिणी तथा अच्छे स्वभाव की पत्नी मिलेगी ।
२	२	बंदी शीघ्र मुक्त होगा ।
३	१	जल्दी सोना, जल्दी उठना मनुष्य को स्वस्थ, धनी तथा बुद्धिमान बनाता है ।
४	३२	अज्ञात जगह वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित होने को है ।
५	३१	विवाद (मुकदमें) से लाभ न होगा इससे सतर्क रहो और बुद्धिमानी वर्तो ।
६	३०	प्रस्तुत धन चला गया, जाने दो पर उधार मत मांगो (ऋण मत करो)
७	२९	तुम्हें व्यापार से धन प्राप्त होगा, व्यर्थ में लाटरी (जूए)के फेर में धन न खोओ ।
८	२८	अभी भी आशा रक्खो, हतोत्साहित (मायूस) मत हो ।
९	२७	न्याय और विवेक से काम लो, धनधान्य की वृद्धि होगी (भाग्य साथ देगा ।
१०	२६	जो कुछ तुम्हारे पास है उसी से संतोष करो ।
११	२५	पहले की अपेक्षा तुम अब अधिक प्रसन्न (सुखी) रहोगे ।
१२	२४	देश की अभिलाषा में अंधे न हो जाओ, इससे तुम्हारे आश्रित जन से हानि होगी ।
१३	२३	जिसे तुम अपना मित्र कहते हो, वह जब दूसरे को धोखा देता है तो उससे ऐसी आशा मत रक्खो कि वह तुम्हारे प्रति सच्चा रहेगा। अर्थात् तुम्हें धोखा नहीं देगा ।
१४	२२	जो कुछ तुम खो बैठे हो उसके वापस पाने के लिए अति आशान्वित मत हो ।
१५	२१	द्वीप निवासी लोगों ने लम्बे समय तक समुद्र पर शासन किया अब वे विजेता नहीं रहेंगे पर वे मानव जाति के शिक्षक होंगे ।
१६	२०	प्रवासी शीघ्र स्वस्थ अवस्था में लौटेगा ।

उत्तर

ग

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	१९	ऐसे आक्षेपों (आरोपों) पर ध्यान मत दो कि तुम्हारा प्रिय (प्रिया) तुम्हारे प्रति मिथ्याचारी है ।
१८	१८	यदि विवेक बुद्धि बरतोगे तो इस विवाह से तुम्हें बड़ा सुख मिलेगा ।
१९	१७	यदि तुम अपनी संतान को सुखी व संपन्न देखना चाहते हो तो उन्हें बुरे लोगों की संगति से विरत रहने की शिक्षा दो ।
२०	१६	बहुत से लोग जीवन से ऊब जाते हैं, पर तुम ऐसा मत करो, साहस से आगे बढ़ो ।
२१	१५	शत्रुओं के बीच मृत्यु दीखती है ।
२२	१४	यदि तुम दूर देश जाओगे तो तुम्हे खतरे का सामना करना पड़ेगा ।
२३	१३	कोई व्यक्ति शत्रुविहीन न रहा है और न कभी रहेगा पर जो लोग तुम्हारी बुराई करते हैं वे स्वयँ जाल मे फंस जाएगे ।
२४	१२	तुम्हारे हृदय में बसा व्यक्ति धनी तो न होगा पर वह सुयोग्य तथा तुम्हें संतुष्ट रक्खेगा ।
२५	११	यदि चाहते हो कि रोगी शीघ्र आराम हो जाए तो उस मिथ्याचारी चिकित्सक की राय मत मानो । (नीम हकीम खतरे जान)
२६	१०	पारस्परिक प्रेम का परिणाम विवाह होगा ।
२७	९	विदेश जाने के पहले अपना व्यापार संयत (ठीक) करलो, लौटने पर ठीक पाओगे !
२८	८	जो प्राप्त होने को नहीं है उसके पीछे मत दौड़ो ।
२९	७	पैतृक व्यवसाय (कारोबार) का अनुसरण करो ।
३०	६	तुम्हारा एक शत्रु है जो तुम्हें हानि पहुँचाएगा ।
३१	५	जो लोग अपने रोग की पूछ-तांछ करते ही रहते हैं वे रोगी रहते हैं ।
३२	४	उसे कन्या होगी जो शील स्वभाव में अपनी मातावत् होगी ।

उत्तर

घ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	४	पत्नी द्वारा तुम्हें धन प्राप्त होगा।
२	३	अंततोगत्वा (आखिर में) शत्रुओं के पंजे से उसका छुटकारा हो जायगा।
३	२	हां।
४	१	तुम्हें जल, स्थल दोनों की यात्रा करनी पड़ेगी।
५	३२	विवाद (मुकदमेबाजी) में धन नष्ट करने से अच्छा है, दान करो।
६	३१	जुए में उधार मत दो।
७	३०	पैसा बचाओ, रुपये स्वयं बचेंगे।
८	२९	अपने पापाचार से तुम अवश्य हटोगे (विरत होंगे)।
९	२८	अपने तात्कालिक संकल्प के फल को अच्छी तरह आंक लो।
१०	२७	किसी ही किसी को सौभाग्यता प्राप्त होती है।
११	२६	भाग्य तुम्हारे पक्ष में है।
१२	२५	तोप के मुँह पर यश की खोज मत करो।
१३	२४	सच्चे मित्र की कसौटी उसकी सचाई है।
१४	२३	व्यय करने तथा परेशानी से तुम अपना खोया हुआ (चोरी गया) धन प्राप्त कर सकोगे।
१५	२२	सारे संसार में अब शिक्षा का प्रसार हो गया है इसलिए सभी देश व मानव स्वतंत्र होंगे।
१६	२१	जल्दी लौट आने की उत्सुकता (उतावलापन) मत करो।

उत्तर

घ

प्रश्न संख्या	उत्तरसंख्या	
१७	२०	जिसे तुम प्यार करते हो उस पर तुम्हारे प्रेम का साम्राज्य छा जाऐगा।
१८	१९	इस वैवाहिक प्रस्ताव को अपनाने में देर मत करो, अन्यथा सुख साधन खो बैठोगे।
१९	१८	लोगों की कुसंगति से यदि तुम्हारी संतान आचरणभ्रष्ट हो गई है तो उन्हें आपदाएं भोगनी पड़ेंगी।
२०	१७	सोचो, तुम अपनी विपदाओं के स्वयं कारण नहीं हो, यदि ऐसा है तो आगे के लिए सचेत तथा विवेकी बन जाओ।
२१	१६	शत्रुओं के बीच सत्यानाश होगा।
२२	१५	यात्री के लिए उलटफेर बदा है।
२३	१४	ध्यान दो और इस योग्य बनो जिससे तुम्हारी प्रतिष्ठा हो।
२४	१३	तुम्हारा विवाह उस व्यक्ति से होगा जिसकी काफी प्रतिष्ठा होगी।
२५	१२	रोगी रोग मुक्त हो जाएगा, पर अपने रोग से उसे शिक्षा लेनी चाहिए ताकि आगे के लिए वह सावधान रहे और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखे।
२६	११	तुम्हारे प्रेम की उपेक्षा नहीं होगी।
२७	१०	तुम्हारी यात्रा कुशल पूर्वक होगी और इसमें तुम्हारे उद्देश्य की पूर्ति होगी।
२८	९	यदि सतर्कता तथा समय से काम करोगे तो तुम्हें अपने व्यापार में प्रचुरधन मिलेगा।
२९	८	ऐसा एक काम चुनो जो थोड़े से श्रम में तुम्हें शान्ति से आजीविका दे सके।
३०	७	एक गुप्त शत्रु तुम्हारे सुख नाश के लिए प्रयत्नशील होगा।
३१	६	तुम्हारा मित्र इस समय पूर्ण स्वस्थ है और वह अपने सम्बन्धी को पत्र लिख रहा है।
३२	५	तुम्हें लड़का होगा। उसे यदि ठीक से शिक्षा दोगे तो वह तुम्हारी उत्तरावस्था को सफल कर देगा।

उत्तर

ङ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	५	तुम यदि सजग रहोगे तो बहुत अच्छी जगह तुम्हारा विवाह होगा।
२	४	वंदी का हृदय शीघ्र प्रसन्न होगा।
३	३	कुछ लोग ३० वर्ष में ही वृद्ध लगने लगते हैं, तुम अपने स्वास्थ्य का ध्यान रक्खो १०० वर्ष जीओगे।
४	२	विदेश यात्रा के लिए जहाज पर चढ़ना तुम्हारे लिए अविवेकता का कार्य होगा।
५	१	वुद्धि से काम लो, सचाई का आचरण करो, न्यायाधीश को तंग न करो।
६	३२	जूए के स्थल (टेबुल) पर संतुलित मस्तिष्क से काम लो।
७	३१	अपने पारिवारिक कार्यों में सरलता से व्यय करो पर व्यापार में पैसा पैसा जोड़ो।
८	३०	प्रस्तुत को छोड़ कर, कल्पना के पीछे मत दौड़ो।
९	२९	तुम सफलता की आशा करते हो तो दूसरों के प्रति अन्याय मत करो।
१०	२८	सन्तुष्ट रहो, कल की बात कल पर जानों।
११	२७	अपनी परिस्थिति से संतुष्ट रहो, सुख में सन्देह नहीं रहेगा।
१२	२६	संतुष्ठ जीवन की एक कुटिया, राज्यद्रोहियों के महल से कहीं अच्छी है।
१३	२५	अपने स्वार्थी मित्रों पर भरोसा (विश्वास) मत करो, ये तुम्हारे वैभव पर मक्खियों की तरह भिनभिनाया करते हैं (मंडराया करते हैं)
१४	२४	इस हानि से अपने हृदय पर अधिक बोझ न डालो।
१५	२३	अन्त्यज (शूद्र) लोग अपने बन्धनों को तोड़ कर साम्राज्य स्थापित करेंगे।
१६	२२	जब काम पूरा हो जाएगा तभी यात्री लौटेगा।

उत्तर

ङ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	२१	अटल विश्वास का फल तद्रूप होता है ।
१८	२०	सोचो, क्या तुम्हें अभी विवाह करना चाहिए ।
१९	१९	अपनी सन्तान के संस्कार अच्छे डालो, बुरे संस्कार हटाओ, समृद्धि होगी ।
२०	१८	मनुष्य अपने भाग्य का स्वयं निर्माता है, सचाई पर रहो और ऐसे अवसर को मत जाने दो जिससे तुम्हारी उन्नति होती हो ।
२१	१७	तुम्हारा स्वप्न बताता है कि तुम अपने व्यापार में सतर्क हो ।
२२	१६	यदि तुम अपने पैतृक (जन्म) स्थान को छोड़ दोगे तो अधिक परिवर्तन होगा ।
२३	१५	न्याय का अवलम्बन करो, निन्दा से दूर रहोगे ।
२४	१४	तुम्हारा विवाह एक बहुत अच्छी जगह होगा ।
२५	१३	रोगी का स्वास्थ्य ठीक हो जाएगा ।
२६	१२	चिंता न करो यदि मायूसी तुम्हारी आधुनिक आशाओं के विपरीतहै।
२७	११	अपनी यात्रा के लिए सच्चा तथा बहादुर साथी खोजो ।
२८	१०	छिपे गहनों, धन को पाने के लिए व्यर्थ सीटो मत ।
२९	९	लिख लो, दाढ़ी बनाओ, बाल काटो ।
३०	८	नकली मित्रों से सावधान ।
३१	७	तुम्हारे मित्र इस समय शराब पी रहे हैं और तुम्हारी शुभ कामना कर रहे हैं ।
३२	६	तुम्हारी पत्नी को दो कन्याएं होंगी जो समाज में प्रशंसित होंगी ।

उत्तर

च

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	६	तुम्हारी पत्नी धनवती होगी तथा अभिमानी भी।
२	५	कैदी को प्रसन्नता का कारण शीघ्र होगा।
३	४	प्रातः उठो खाने के पहले टहल लो तो ठीक रहेगा।
४	३	यात्रा निश्चय से सुखप्रद होगी, पर काम से अधिक वहाँ मत ठहरना।
५	२	तुम किसी विवाद में फसोगे, शीघ्र ही उससे छुटकारा पाने का यत्न करना।
६	१	जूए में रुपया लगा सकते हो; पर माल या जायदाद में कभी मत लगाना।
७	३२	कंजूसी घृणित है, फिर भी कुछ न कुछ बचाते रहो, साल में अच्छी रकम बन जाएगी।
८	३१	सन्तुष्ट रहो, झूठी महत्त्वाकांक्षा के फेर में मत पड़ो।
९	३०	उग्र तथा घाटे वाली सट्टेबाजी में अपना धन व समय मत नष्ट करो।
१०	२९	जो कुछ भी बुरा होने को है उसे सहन करो और आगे के लिए आशान्वित हो।
११	२८	जो कुछ हो रहा है उससे असन्तुष्ट मत हो।
१२	२७	अपनी ख्याति के पीछे मत दौड़ो, यदि तुम्हारा कार्य ऊँचा है तो नाम पीछे दौड़ेगा।
१३	२६	गरीबों को दो, अनेक मित्र तुम्हारे पास मडराएंगे और तुम्हारी सेवा करेंगे।
१४	२५	तुम्हारा माल (चोरी गई वस्तु) शीघ्र वापस मिलेगा।
१५	२४	मन्त्रियों की विवेक बुद्धि से नवजात राष्ट्र व्यापार-वाणिज्य में प्रखर हो जाता है।
१६	२३	तुम्हारा प्यार प्रवासी (यात्री) को शीघ्र स्वदेश लौट आने के लिए विवश कर रहा है।

उत्तर

च

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	२२	यदि तुम्हारी प्रिया दूसरे से आसक्त रही है तो सोचो क्या वह तुम्हारे प्रति वफादार रहेगी ।
१८	२१	इससे विवाह करने पर तुम्हें बहुत दिनों तक सुख मिलता रहेगा ।
१९	२०	मरने के बहुत दिनों बाद तुम्हारी संतान तुम्हारे नाम का आदर करेगी ।
२०	१९	सामाजिक दुर्भाग्य, आगामी भाग्य पर अधिक प्रभाव नहीं डाल सकेगा ।
२१	१८	स्वप्न में तुमने इच्छा, की थी कि वचा धन गरीबों में बांटोगे ।
२२	१७	सतर्क हो जाओ, सामाजिक अच्छे भाग्य पर भरोसा मत करो ।
२३	१६	तुम्हारा आचरणबल इतना उन्नत होना चाहिए जिसमें छिद्रान्वेषी लोगों की वातें (आरोप) निरर्थक हो जाएँ ।
२४	१५	तुम्हारा पति हर प्रकार से सज्जन होगा और वह तुम्हें संतुष्ट रक्खेगा।
२५	१४	ठीक औषधि मिलने पर रोगी मुक्त हो जाएगा ।
२६	१३	यदि तुम्हारा प्रेम सच्चा है तो उसको यथार्थ मान्यता मिलेगी ।
२७	१२	अपने धन का लोगों को प्रलोभन मत दो ।
२८	११	यदि तुम अपनी सभी वातों पर ध्यान दोगे तो तुम्हारा भाग्य उन सभी लोगों से उज्वल हो जाएगा जो तुम्हारे आस पास रहते हैं ।
२९	१०	राष्ट्र (राज्य) के कानून में हस्तक्षेप मत करो ।
३०	९	तुम्हारे शत्रु तुम पर हावी नहीं हो सकेंगे ।
३१	८	जिन्हें तुम प्यार करते हो उनका स्वास्थ्य ठीक है और वे इस समय ग्रामीण जीवन का आनन्द ले रहे हैं और चाहते हैं कि तुम भी उनके साथ सम्मिलित हो ।
३२	७	उसे एक लड़का होगा जो बड़ा गुणी होगा, उसे ठीक से शिक्षा देना ।

उत्तर

छ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	७	पहली पत्नी स्वरूपवती होगी तथा सदाचारिणी होगी, दूसरी इसके विपरीत ।
२	६	जो वंदी कारागार में है वह वहां से भाग जायगा ।
३	५	दीर्घ जीवन सदाचार पर आश्रित है ।
४	४	जब तुम यात्रा के लिए प्रस्थान करोगे तो तुम्हें यात्रा में सुविधाएँ मिलेगी (लाभ रहेगा) ।
५	३	दोषों को दूर करने के लिए अपने आपका आश्रय लो ।
६	२	जूए से तुम विनष्ट हो जाओगे ।
७	१	मधुमक्खी की तरह अपने उद्योग-धंधों में लपट जाओ, बहुत बटोरोगे ।
८	३२	बहुकाल तक सुखी रहोगे, उससे संतुष्ट रहना अन्यथा उच्चाभिलाषा तुम्हारा नाश करेगी ।
९	३१	कार्य आरंभ करने के पहले अपने अभिन्न मित्रों से परामर्श करलो ।
१०	३०	अपने संबंधियों से शिष्टाचार का बर्ताव रक्खो, वे तुम्हें मान्यता देंगे ।
११	२९	उग्रता, क्रोध, आवेश में आकर अपना भाग्य मत बिगाड़ो ।
१२	२८	अपने यश को पराजित के हाथ न सौंपो ।
१३	२७	जो मित्र अभी अपनी मित्रता पर गर्व दिखाता है वही समय आने पर तुम्हारा नाश करेगा ।
१४	२६	चोर का पता लगाने में किसी उपाय को छोड़ो ।
१५	२५	जिन लोगों ने दक्षिण के लोगों को पीड़ित किया है वे उखाड़ फेंके जावेंगे और वहां स्वतंत्रता का राज्य होगा ।
१६	२४	यात्री प्रवासी को शीघ्रता से लौट आने में कोई बाधा न होगी ।

उत्तर

छ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	२३	तुम्हारा प्रेमी विश्वसनीय है ।
१८	२२	ऐसी वार्ता मत करो जिसके परिणाम के बारे में तुमने ठीक से नहीं विचारा ।
१९	२१	अपने बच्चों की प्रज्ञा के अनुसार उन्हें शिक्षित करो, चरित्र की शिक्षा दो ।
२०	२०	प्रसन्न हो जाओ, शीघ्र समृद्धि होगी ।
२१	१९	स्वप्न बताता है कि तुम्हारा तात्कालिक प्रयत्न फले फूलेगा यदि तुम सतर्क रहोगे ।
२	१८	निराश मत हो, भाग्य पराङ्मुख होगा पर थोड़े समय के लिए ।
२३	१७	ऐसा होगा पर अपने ही कृत्यों से वे मिथ्यारोपी स्वयं निंदित होंगे ।
२४	१६	तुम्हारा उस व्यक्ति से विवाह होगा जो अपनी स्थिति व स्तर से अपने को ऊँचा समझेगा । यह तुम्हारा कर्तव्य होगा कि उसे ऐसा सोचने से रोको ।
२५	१५	अनुभवियों की सम्मति लो, स्वास्थ्य शीघ्र ठीक हो जाएगा ।
२६	१४	यदि तुम विवेकी हो तो तुम उस मुकदमें को जीतोगे जिसमें तुम्हारा ध्यान लगा है ।
२७	१३	जब यात्रा में हो ईश्वर पर अपने को छोड़ दो, वह तुम्हारी रक्षा करेगा ।
२८	१२	झूठी आशाओं पर ध्यान मत दो, कर्मठ बनो ।
२९	११	धारदार यंत्र से बचो ।
३०	१०	तुमसे द्वेष करने वाले शत्रु तुम्हारे जीवन में रोड़ा अटकाते रहेंगे ।
३१	९	तुम्हारे मित्र अस्वस्थ नहीं हैं, और बातें उनके पक्ष में नहीं है ।
३२	८	तुम्हें एक कन्या होगी जो सुन्दरी होगी, सौन्दर्य के जाल में वह स्वयं फस जाएगी यदि उसकी यह अहंमान्यता न रोकी गई तो ।

उत्तर

ज

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	उत्तर
१	८	तुम्हारी पत्नी का स्वभाव एक उदाहरण रहेगा। उसका अनुसरण करना।
२	७	कोई मित्र उसे जल्दी छुटकारा दिलाएगा।
३	६	नियमित, संयत् जीवन व्यतीत करो।
४	५	घर से अधिक दूर कोई साहसिक कार्य न करो।
५	४	जैसा आप दूसरों से आशा करते हैं वैसा ही आप स्वयं दूसरों के प्रति करें, इससे धन और समय की बचत होगी।
६	३	क्या आप यह विश्वास करते हैं कि आग में हाथ डालने से नहीं जलेगा।
७	२	तुम भाग्यशाली होगे तथा तुम्हारे व्यवसाय में उन्नति होगी।
८	१	अपने अच्छे दिनों में अपने धन वा वैभव पर व्यर्थ गर्व न करना।
९	३२	हर व्यक्ति से सौजन्यता का व्यवहार करो, कौन जाने उसमें कौन तुम्हारा मित्र निकल आवे।
१०	३१	विवाह से तुम्हें पर्याप्त आनन्द मिलेगा।
११	३०	अपनी ख्याति के महल को ऊँचा करने के लिए उत्सुक न हो।
१२	२९	मित्रों के धैर्य की विशेष परीक्षा लो—उन्हें मित्र बनाए रखने का यही मार्ग है।
१३	२८	उस व्यक्ति को आप जानलें जिसने आपको चोट पहुंचाई हो।
१४	२७	जब दुर्बलता और मूर्खता की शर्त होती है तभी कोई शक्तिशाली देश अपनी खोई हुई स्वतंत्रता के प्रति जागरूक होता है।
१५	२६	विदेश में अपरिचित व्यक्ति की तरह दीर्घकाल तक ठहरना लाभदायक होगा।
१६	२५	अपनी प्रेमिका की वफादारी पर सन्देह करने का कोई प्रश्न नहीं उठता।

उत्तर

ज

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	२४	अपनी उन्नति के मार्ग में बाधाओं को तुच्छ समझना आपके लिए उचित है।
१८	२३	अपनी सन्तान की शिक्षा में आपका अनुशासन कठोर होना चाहिए, यदि आपने उनके सुधार का प्रयत्न किया तो वे प्रसन्न होकर आपको आशीर्वाद देंगे।
१९	२२	देखिए, कहीं आपका दुर्भाग्य आपको शराब पीने की लत न डाल दे अन्यथा उससे छुटकारा मिलना कठिन होगा।
२०	२१	आप जिस विवाह का स्वप्न देख रहे हैं वह जल्दी होगा।
२१	२०	आपके भाग्य में अनेक परिवर्तन को देखना लिखा है।
२२	१९	सामाजिक निंदा के बाणों से आप बचे रहेंगे।
२३	१८	सबसे विनम्रता तथा समझदारी का बर्ताव करें।
२४	१७	अपने विवाह द्वारा आप लोगों की ईर्ष्या के पात्र बनेंगे।
२५	१६	यद्यपि रोगी वर्तमान समय को निकाल ले जाएगा पर उसे अपनी शारीरिक शक्ति का दंभ न भरने दें।
२६	१५	अपने प्रियपात्र से अंत में आपको अपने प्रेम का पुरस्कार अवश्य मिलेगा।
२७	१४	अगर एक अपरिचित जगह पर अधिक समय तक आप ठहरते हैं तो आपको वहाँ अनिष्ट की सम्भावना रहेगी।
२८	१३	आपको एक खजाना मिलेगा जिसके पहले आपको उसकी कोई उम्मीद नहीं रही होगी।
२९	१२	यदि आप बुद्धिमान हैं तो आपको ग्रामीण सुधारकों से घृणा न करनी चाहिए।
३०	११	आपका एक शत्रु है पर आपको उससे अपनी संपत्ति की कोई हानि न हो सकेगी।
३१	१०	इस समय आपके मित्रों का ध्यान मनोरंजन में लगा है।
३२	९	आपकी पत्नी को पुत्र होगा जो विद्वान् तथा गुणी होगा।

उत्तर

झ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	९	पत्नी सुन्दरी होगी।
२	८	वन्दी का शीघ्र ही घर पर स्वागत होगा भले ही वह अभी अपने शत्रुओं के बीच यातनाएं भोग रहा है।
३	७	वृद्धावस्था वही व्यक्ति प्राप्त करता है जिसमें संयम से रहने की क्षमता हो।
४	६	यदि आपको अवसर प्राप्त हो तो आप गुप्त रूप से क्रियाशील हो सकते हैं।
५	५	यदि आपको कानून से चिढ़ हो तो उसमें हस्तक्षेप भी न करें।
६	४	न किसी वस्तु को चाखें, न छूएं, न पकड़ें।
७	३	आप संतुष्ट तथा सुखी हुए बिना नहीं रहेंगे।
८	२	मानवीय व्यापार एक प्रकार का ज्वारभाटा है जो बाढ़ आने पर वैभव की ओर प्रेरित करता है।
९	१	आप अपने विवेकरूपी नक्षत्र को अपना मार्ग प्रशस्त करने दें।
१०	३२	स्वयं के मित्र बनिए, दूसरों पर निर्भर मत रहिए।
११	३१	जब कि आपके आचरण में सुधार की आवश्यकता है उस समय आनन्द लेने की न सोचें।
१२	३०	दूसरों के साथ उपकार कीजिए, इससे यदि लोग कृतघ्न भी हो जाएँगे तो भी आपको परोपकारी की संज्ञा मिलेगी।
१३	२९	किसी प्रकार का रहस्योद्घाटन करने के पूर्व सोच लीजिए कि आपका मित्र उसे गोपनीय रख सकता है या नहीं।
१४	२८	चोर को लूटने का दूसरा अवसर मत दीजिए।
१५	२७	अपने ही लोगों के साथ धोखा देनेवाला अपने ही द्वारा रचे हुए जाल में फँस जाएगा।
१६	२६	अपना कार्य समाप्त करने के बाद वह यात्री अपने देश में शीघ्र वापस आ जाएगा।

उत्तर

झ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	२५	मिथ्या संदेह को अपने हृदय से निकाल दें।
१८	२४	दम्पति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी।
१९	२३	अपने बच्चों को गुणी व्यक्तियों के कार्यों को बताना न भूलें ताकि वैसा करने के उत्साह में वे आपके कथन की प्रतिष्ठा करें।
२०	२२	मदिरापान से आपको क्षणिक प्रसन्नता मिल सकती है और कुछ समय के लिए आप अपने क्लेश को भी भूल सकते हैं किन्तु अन्ततोगत्वा आप आनन्द लेने के लिए अयोग्य हो जाएँगें।
२१	२१	आपके स्वप्न का तात्पर्य है कि आपको दान में बहुत-सी वस्तुएँ मिलेंगी।
२२	२०	राजनैतिक परिवर्तन आपके भाग्य में परिवर्तन ला देंगे।
२३	१९	आपकी बड़ी निंदा होगी किन्तु आपके निन्दक आपके समक्ष आने पर मुँह की खाएँगे।
२४	१८	आपके पति को पर्याप्त धन मिलेगा।
२५	१७	संतप्त व्यक्ति शीघ्र ही अपने सन्ताप से मुक्त होगा।
२६	१६	आपको वर्तमानकाल में अपने बारे में जो ज्ञान है उससे अधिक आप लोकप्रिय है।
२७	१५	आप दुर्घटना के शिकार नहीं होंगे।
२८	१४	आपको अच्छा कोष (खजाना) मिलने वाला है।
२९	१३	प्रचंड मादक द्रव्य की बिक्री कीजिए, पर देखिए, उसकी शक्ति का अपने ऊपर प्रयोग करने में सावधान रहिएगा।
३०	१२	आपके शत्रु आपकी सुख्याति को उलटने का प्रयत्न करेंगे।
३१	११	आपके मित्र इस समय भक्तिपूर्ण कार्यों में व्यस्त हैं।
३२	१०	उसे एक पुत्र होगा जो युवक होने पर अपने कर्तव्यों से आपको सुख पहुँचाएगा।

उत्तर

अ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	१०	आपकी पत्नी को किसी समय प्रचुर धन मिलेगा जिसका सदुपयोग कीजिएगा।
२	९	बड़ी अड़चनों के बाद बंदी कैद से मुक्त होगा।
३	८	मादक द्रव्य के सेवन से वृद्धावस्था शीघ्र आती है, इससे दूर रहिए तभी आप चिरायु हो सकेंगे।
४	७	यदि आप अपने घर से दूर रहेंगें तो आपकी उन्नति नहीं हो सकेगी।
५	६	आपके भाग्य में मुकदमेंबाजी ही है किन्तु अन्ततोगत्वा आप उसमें सफल होंगे।
६	५	आप फिर भी सफल हो सकते हैं जब कि लाखों व्यक्ति असफल होकर नष्ट हो चुके हैं।
७	४	आप अत्यन्त महत्वाकांक्षी हैं।
८	३	लगन हर बाधा पर विजय पाती है।
९	२	लोभ से सहस्रों का नाश होता है।
१०	१	अपने मन में कभी भी ऐसी स्पृहा न रखें कि आपके सगे सम्बन्धी मर जाएँ ताकि उनकी लौकिक सम्पत्ति आपके हाथ लग जाए।
११	३२	लौकिक (पार्थिव) वस्तुओं से प्राप्त आनन्द पर अपने को न्योछावर मत कीजिए।
१२	३१	मनुष्य के अच्छे कार्य वायु पर अंकित देखने में आते हैं पर बुरे कार्य संगमरमर पर खुद जाते हैं।
१३	३०	शराब के प्याले पर की गई मित्रता का कोई भरोसा नहीं।
१४	२९	जिसने आपको क्लेश पहुँचाया हो उसे मारिए मत बल्कि उसे समझाइए, सलाह दीजिए।
१५	२८	ज्योंही ज्ञान का सूर्य मानवीय विचारधारा को देदीप्यमान करेगा त्योंही पर्वत की चोटी पर घने कुहरे रूपी अज्ञान तथा निर्दयता स्वत: विनष्ट (नष्ट) हो जाएगी।
१६	२७	अनुपस्थित व्यक्ति प्रसन्नता एवं प्रतिष्ठा के साथ लौटेगा।

उत्तर

अ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	२६	संशय-प्रवृत्ति का प्रेमी सदा के लिए अपनी शांति खो बैठता है।
१८	२५	अपने जीवन के सम्बन्ध में सदैव विवेकशील रहिए।
१९	२४	उनकी प्रसन्नता पूर्णरूपेण आप द्वारा उनको दिए गए उपदेशों पर निर्भर करती है।
२०	२३	यदि आप चिरसमृद्धि की कामना रखते हैं तो सुरापान छोड़ दीजिए, यदि आप नहीं मानेंगे तो आपका भविष्य सदैव के लिए नष्ट हो जायगा।
२१	२२	ऐसा समझा जाता है कि अब आप कृपा एवं सहायता के पात्र होंगे।
२२	२१	आप जिस किसी भी परिवर्तन के कायल हैं वह आपके हित में अच्छा ही है।
२३	२०	जब कोई बुरा समाचार आपके कानों तक पहुँचे तो आप निंदक को ढूंढ निकालिए वह फिर आपके समक्ष घबड़ा जायगा।
२४	१९	विवाह से आपकी संपत्ति तथा प्रसन्नता में वृद्धि होगी।
२५	१८	सभी उपयुक्त साधनों का उपयोग कीजिए तब रोगी का व्यतिक्रम समाप्त होकर शीघ्र साध्य हो जायगा।
२६	१७	अपने धुन के पक्के रहिए, अपने लक्ष्य को मत छोड़िए।
२७	१६	आपकी यात्रा की सुरक्षा एवं सफलता आपके नवीन परिचितों के साथ किए गए आपके आचरणों पर निर्भर करती है।
२८	१५	आपका स्वास्थ्य ही आपका महान् कोष है।
२९	१४	बहुमूल्य पत्थरों के व्यापार से आपका कोष महान् होगा।
३०	१३	आपके शत्रु हैं पर आप उन सभों को पराजित करेंगे और वे मुंह की खायेंगे।
३१	१२	आपका मित्र स्वस्थ है और वह आपके स्वास्थ्य की कामना कर रहा है।
३२	११	आपको एक पुत्री होगी जो प्रतिष्ठा की पात्र होगी।

उत्तर

ट

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	११	आपका विवाह एक प्रतिष्ठित तथा धनी परिवार में होगा।
२	१०	वंदी (कैदी) को क्षमा याचना (प्राप्त करने में) काफी अड़चनें होंगी।
३	९	आपकी दीर्घ आयु अथवा अल्पायु आपकी आदत पर निर्भर है, यदि आप अधिक भोजन न करें तो आप दीर्घायु हो सकेंगे।
४	८	किसी अन्य देश में आप पर मानो धन की वर्षा होगी।
५	७	कानून से आप वैसे ही दूर रहें जैसे लोग महामारी आदि रोग से दूर रहते हैं।
६	६	आपके लिए एक के विरुद्ध तीन का अवसर है।
७	५	इसमें संदेह मत कीजिए।
८	४	उच्चपद पर आसीन होना आप पर ही निर्भर है।
९	३	विवेक को इस कार्य में सहायक होने दें।
१०	२	जब आप मृतात्माओं के मदद की प्रतीक्षा कर रहे हैं, आपके स्वयं के प्रयत्न ही सहायक होंगे।
११	१	यदि आप वास्तव में उद्यमी हैं तो शांति एवं प्रचुरता आपको निश्चित यही मिलेगी।
१२	३२	ध्यान रखें, दुष्ट व्यक्ति के हाथ से अपयश ही मिलता है।
१३	३१	ध्यान रखें, ऐसा न हो कि कहीं पाखण्डी और धोखेबाज के चिकने-चुपड़े शब्द आपको खतरे में ढकेल दें।
१४	३०	अपनी हानि को पूरी करने में आप कोई भी कसर वाकी न रक्खें।
१५	२९	उन कमरों में जिनमें अभी आह एवं निराशा की करुण चीख निकलती थी वहाँ अब स्वतन्त्रता के बुलन्द नारे लगेंगे।
१६	२८	इसमें संदेह मत कीजिए कि यात्री शीघ्र ही लौटेगा।

उत्तर

ट

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	२७	आपका स्नेहभाजन (जिसे आप प्यार करते हैं) आपके प्रति कभी भी कृतघ्न न होगा।
१८	२६	जल्दी का विवाह दुःखान्त होता है परन्तु जिस विवाह को खूब समझ कर पक्का किया जाता है उसमें ऐसा नहीं होता।
१६	२५	यदि आपके बच्चों को सन्मार्ग से अलग किया जा रहा है तो उन्हें दुःख में ही गुजरना होगा।
२०	२४	जब आप पर आफत आवे तो निराश मत होइए अपितु उसे दूर करने का प्रयत्न कीजिए।
२१	२३	यह आपकी एवं आपके सम्बन्धियों की समृद्धि की ओर संकेत करता है।
२२	२२	वर्तमान को आप अपने जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य न समझ बैठें।
२३	२१	वाह्य निंदा से आपकी ख्याति पर कोई विशेष आंच नहीं आएगी।
२४	२०	आपका पति एक प्रतिष्ठित एवं ईमानदार व्यक्ति होगा।
२५	१६	रोगी निःसन्देह स्वस्थ हो जाएगा, इसमें कोई भय नहीं है।
२६	१८	सोचिए कि क्या आपके स्नेह का पात्र आपका प्रेम पात्र होने के योग्य है।
२७	१७	आप निश्चय ही समृद्धिशाली होंगे।
२८	१६	आपके हाथ एक बहुत बड़ी खान लगेगी और समय-समय पर उसमें खुदाई होती रहेगी।
२९	१५	आप एक मिल मालिक हैं किन्तु आप निर्धनों का शोषण न करें।
३०	१४	आपके कुछ गुप्त शत्रु होंगे, किन्तु वे अपने रचे हुए षडयन्त्र में स्वयं फस जाएंगे।
३१	१३	आपका मित्र पहले से अधिक प्रसन्न एवं स्वस्थ है और वह किसी यात्रा की तैयारी कर रहा है।
३२	१२	आपको एक सुन्दर पुत्र होगा।

उत्तर

ठ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	१२	आपकी पत्नी बड़ी सदाचारिणी होगी, उसका अनुसरण कीजिएगा।
२	११	एक वार पुनः बन्दी स्वतन्त्रता की हवा में स्वांस लेगा।
३	१०	कम भोजन से आपका स्वास्थ्य बना रहेगा साथ ही अर्द्धरात्री के भोजन से मृत्यु भी निश्चित है।
४	९	घर पर ही रहें, आप अच्छी उन्नति कर पाएंगे।
५	८	कानून दोधारी तलवार है अतः इसके चंगुल में आने से कभी भी लाभ नहीं।
६	७	कभी भी कोई जोखिमी कार्य में हाथ न दें।
७	६	उद्यम, लगन एवं सावधानी आपकी आशाओं को पूरा करेंगे।
८	५	आपके सामने अनेक बाधाएं आवेंगी परन्तु आप सभी पार्थिव शक्ति एवं प्रतिष्ठा को प्राप्त करेंगे।
९	४	आपकी लगन पर आपकी सफलता निर्भर है।
१०	३	अपने सगे सम्बन्धियों के वर्तमान इरादों (आश्वासनों) पर पूर्णरूपेण आप आश्रित न हो जाएं, वे बदल सकते हैं।
११	२	हर प्रकार से आपके आसार अच्छे हैं तथा आपका भविष्य हर्षपूर्ण है।
१२	१	आपकी आगामी सन्तान आपके नाम एवं कीर्ति को अपनाएगी।
१३	३२	हाथ का मेल, गाल का चुम्बन, मित्रता की प्रतिज्ञा ये सब वाक् के शब्द मात्र (वाक्जाल) हैं इनका विश्वास मत करना।
१४	३१	यदि आप सतर्क रहेंगे तो आपके हाथ जायदाद लग सकेगी।
१५	३०	पश्चिम में एक बड़ा साम्राज्य बन्धन से मुक्त हो जायगा।
१६	२९	आप शीघ्र ही यात्री से मुखातिब होंगे।

उत्तर

ठ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	२८	जिस प्रकार सूर्य अपने मार्ग पर शाम से आगे बढ़ता है उसी प्रकार आपकी प्रेमिका अपनी प्रतिज्ञा पर अटल रहेगी।
१८	२७	यदि लोभ तथा कामवासना के लिए ही विवाह चाहते हो तो इससे चिर प्रसन्नता जाती रहेगी।
१९	२६	यदि आपको अपने बच्चों की आस्था प्राप्त हो गई है तो उन्हें अच्छे या बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता प्राप्त करायें, प्रसन्नता का इससे बीजारोपण होगा।
२०	२५	अपने बुरे दिनों से निराश न हों, आशा कीजिए दुर्दिन हट जायेंगे।
२१	२४	ऐसा है कि अब सम्पत्ति वृद्धि के लिए आगामी अवसर को हाथ से न निकलने दीजिए।
२२	२३	मौसम के परिवर्तन के साथ ही आपके भाग्य में भी परिवर्तन होगा।
२३	२२	यदि आप विवेक तथा सहिष्णुता से काम लें तो आपके निंदक आपका बाल बाँका नहीं कर सकेंगे।
२४	२१	आपके पति का आचरण इतना अच्छा होगा कि वह तुम्हारी सहानुभूति का पात्र रहेगा।
२५	२०	किसी भी बुढ़ी औरत को जो वैद्य होने का ढोंग रचती हैं, रोगी का स्पर्श न होने दें।
२६	१९	धैर्य पूर्वक प्रतीक्षा कीजिए, आपका प्रेम समय आने पर स्वतः प्रकट हो जायगा।
२७	१८	कभी भी दुष्टों का साथ न करें, आपकी यात्रा सुरक्षित (निरापद) रहेगी।
२८	१७	आपके लिए सन्तोष से बढ़कर और कोई दूसरा खजाना नहीं है।
२९	१६	आप तो नट (रस्से पर नाचने वाले) होने के योग्य हैं।
३०	१५	आपके पास है पर वे
३१	१४	आपके मित्र आनन्द मना रहे हैं और उस आनन्द में आपको भी सम्मिलित करना चाहते हैं।
३२	१३	आपको एक पुत्र होगा, जिसके बाल्यावस्था में आपको उस के स्वास्थ्य की रक्षा करनी पड़ेगी।

उत्तर

ड

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	१३	पत्नी तरुणी तथा धनी होगी ।
२	१२	यदि वह पर्याप्त उद्योग करे तो उसे स्वतन्त्रता मिल जाएगी ।
३	११	अपरिमित भोजन तथा मदिरापान से कोई मृत्यु को टाल नहीं सकता।
४	१०	अपने मित्रों के साथ रहिए, आप अनेक दुःखों को पार कर जाएंगे ।
५	९	कानून मुकदमेबाज के पास कुछ नहीं बचा छोड़ता, उसके उद्देश्य की पूर्ति होगी पर उसके वास्तविक फल में उससे अधिक उसकी कीमत होगी ।
६	८	यदि आप बुद्धिमान् हैं तो आप गरीबों को प्रसन्नता पूर्वक दे सकते हैं ।
७	७	आप दस वर्षों में धनी मानी हो जाएंगे । किन्तु अपने ऊपर कम व्यय कर दूसरों पर व्यय करना होगा ।
८	६	आपको प्राथमिकता दी जाएगी ।
९	५	यदि आप विवेक से प्रबन्ध करें तो सफल होंगे ।
१०	४	आप अपने ही उद्योग से अपनी सभी आवश्यकताओं की पूर्ति कर लेगें किन्तु यदि कोई जायदाद आपके हाथ लगे तो अपने भाग्य को धन्यवाद दीजिए ।
११	३	समृद्धि आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।
१२	२	आपकी सुयश-ख्याति (आसमन्तात्) पृथ्वी के अन्तिम छोर तक फैलेगी ।
१३	१	आप अपने मित्र में इतनी अधिक आस्था (विश्वास) मत रखिए कि आप उसे अपना शस्त्र भी दे दें ताकि वह कभी आप पर ही वार कर बैठे ।
१४	३२	जिस व्यक्ति ने आपको क्षति पहुँचाई हैं वह अपनी दुष्टता के बीच समाप्त हो जाएगा ।
१५	३१	जितना ही अधिक किसी राष्ट्र को दबाने का प्रयास किया जाएगा उतनी ही अधिक वहां प्रतिकार की भावना ज्वालामुखी के रूप में फूट पड़ेगी ।
१६	३०	जब कि विदेश में उसके अल्पवास की अवधि समाप्त हो जाएगी वह अवश्य लौटेगा ।

उत्तर

ड

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	उत्तर
१७	२९	ध्यान रखिए, कहीं अविश्वास से आपकी प्रसन्नता नष्ट न हो जाए।
१८	२८	विवाहोपरान्त अपनी ही सत्ता पर विशेष जिद्दमत कीजिए अपितु दोनों को मौका दीजिए।
१९	२७	अपने बच्चों को बुराई के अवगुण बताइए, वे उससे दूर रहेंगे।
२०	२६	आपके दुर्दिन कुछ ही दिनों के लिए हैं।
२१	२५	दूर देश से कोई उपहार प्राप्त होगा।
२२	२४	यह निश्चित है कि आपके जीवन में अनेक परिवर्तन होंगे किन्तु अन्त में आपको शांति तथा सुख मिलेगा।
२३	२३	निंदकों की निंदा से बचने का प्रयास करने की अपेक्षा अपने ही गुणों से कीर्ति पैदा करने की चेष्टा करें।
२४	२२	भलीभांति सोच लीजिए कि क्या वर्तमान काल में अपने जीवन की अवस्था में कोई परिवर्तन करना वांछनीय है।
२५	२१	रोगी को स्वस्थ करने के मार्ग में व्यय को बाधक न होने दें।
२६	२०	आप विश्रुत तथा लोकप्रिय हैं।
२७	१९	आपकी यात्राओं में जिस किसी से भी आपकी भेंट हो जाए आप उनके चेहरे को ही देखकर उसे अपना विश्वास मत दे बैठिए।
२८	१८	आपकी दृष्टि एक कोष (खजाने) पर पड़ेगी परन्तु आप उसे नहीं पाएंगे।
२९	१७	आप एक सौदागर (व्यापारी) हो सकते हैं परन्तु द्रव्योपार्जन में अपनी आत्मा का सौदा मत कीजिएगा।
३०	१६	वे शत्रु जो आपके विरुद्ध षडयन्त्र कर रहे हैं वे दंडित होंगे और मुंह की खाएंगे।
३१	१५	आपके मित्र को कोई शारीरिक बीमारी नहीं है और अब वह संगीत की ध्वनि सुन रहा है।
३२	१४	उसे एक पुत्र होगा जो परिवार को प्रतिष्ठित करेगा।

उत्तर

ढ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	१४	आपको पत्नी ऐसी मिलेगी जिसका पहले से और किसी से संबन्ध रहा होगा ।
२	१३	बंदी की मुक्ति अनिश्चित है, उसकी ओर से किसी सम्बन्धी को दिलचस्पी लेने दो ।
३	१२	और मनुष्य यदि तुझे अधिक दिनों तक रहना है तो शराब पीना, अतिभोजन छोड़ दे ।
४	११	यदि आप चतुर हों तो विदेशों में धन आपके लिये पलकें बिछाए रहेगा ।
५	१०	जब आप अपने मुकदमे के आधार को अच्छी तरह समझ लें तब उसमें हाथ लगाएं ।
६	९	ध्यान रखिए, आगे से कभी धन के लिए या उससे सम्बन्धित उद्देश्य के लिए कार्य मत कीजिए ।
७	८	किसी प्रकार के जोखमी जूए में मत फसिए ।
८	७	जो कुछ है आप उसी में संतुष्ट रहिए ।
९	६	दैवसंयोग की घटनाओं के लिए सतर्क रहिए ।
१०	५	दाता की स्मृति को आशीर्वाद दीजिए ।
११	४	पर्याप्त तथा प्रसन्नता की फसल को उद्यम रूपी हंसुले से काटिए ।
१२	३	प्रशंसनीय कर्त्तव्य कीजिए, ताकि भावी पीढी आपकी प्रशंसा करे ।
१३	२	अपने मित्र को चुनने में पर्याप्त सावधानी रखिए ।
१४	१	चोर कुछ समय के लिए सफल हो सकता है पर अन्त में उसकी मृत्यु निश्चित है ।
१५	३२	जब कि वातावरण शांत हो और हवा स्वच्छ हो उस समय अकस्मात् भूकम्प आ सकता है और वहाँ के रहने वालों को नष्ट कर सकता है ।
१६	३१	यात्री पर्याप्त धनधान्य के साथ लौटेगा ।

उत्तर

ढ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	३०	ध्यान रखें। कभी ईर्ष्या आपके आनन्द को भंग न कर दे।
१८	२९	वैवाहिक आनन्द का विजयी रहस्य है—वहन और सहन करना।
१९	२८	अपने बच्चों को निष्कपट रहने की शिक्षा दें, साथ ही उन्हें ऐसी चतुराई की भी शिक्षा दें जिसमें उन्हें कोई धोखा न दे सके।
२०	२७	हतोत्साहित न हों, यद्यपि अभी आपके दिन बुरे हैं तथापि आप की आत्मा आपकी (आगामी) समृद्धि से प्रसन्न हो उठेगी।
२१	२६	यह आपको स्वास्थ तथा आनन्द का संदेश देता है।
२२	२५	आपके भाग्य में शांतिमय जीवन व्यतीत करना लिखा है।
२३	२४	आपके जीवन में एक ऐसा समय आयगा जब कि लोग आपके आचरण को विश्व में दूषित करेंगे।
२४	२३	आपके पति की प्रतिभा उन्हें लोक में प्रतिष्ठा एवं लोकप्रियता प्रदान करेगी।
२५	२२	अनुभव से बढ़कर कोई भी सलाहकार नहीं है।
२६	२१	आपको इस बात का प्रमाण मिल जायगा कि आप लोकप्रिय हैं।
२७	२०	जब आप अपने लक्ष्य पर पहुँच जाएं तो अपने कार्य की सिद्धि करने में विलम्ब न करें और अविलम्ब लौट जाएं।
२८	१९	यदि आप ज्ञानोपार्जन का प्रयत्न करें तो यह आपके लिए एक उत्तम निधि होगी जिसे कोई नहीं छीन सकेगा।
२९	१८	सोने (रुपये) से इतना प्रेम न कीजिए कि आप सूदखोर हो जाएं।
३०	१७	आपके शत्रु अवश्य हैं पर उनके षडयन्त्र व्यर्थ सिद्ध होंगे।
३१	१६	आपके मित्र स्वस्थ हैं उन्हें दूर देश से समाचार मिला है।
३२	१५	उसे एक दीर्घायु पुत्र होगा।

उत्तर

ण

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	१५	पत्नी धनी पर बड़े उग्र प्रकृति की होगी ।
२	१४	उस हतभाग्य वन्दी के लिए और दिन बड़े हैं ।
३	१३	एक धनी के लिए अपनी समस्त संपत्ति लुटा देना संभव है, सूर्य में लांछन संभव है पर एक असंयमी के लिए धन और स्वास्थ्य असंभव है ।
४	१२	यदि आप अपनें स्थान (देश) में ही रह जाएं तो सफल हो सकते हैं ।
५	११	अपना अभीष्ट नगरपंच के सामने रखिए ।
६	१०	यदि आप स्वयं अपने परिवार को सुखी होने की अपेक्षा उन्हें भिक्षुक देखना चाहते हैं तो वैसा ही करिए ।
७	९	जो कार्य कर रहे हैं उसे मनोवेग से कीजिए, आप निश्चित सफल होंगे ।
८	८	
९	७	यदि आप विवेक शील हैं तो भय मत कीजिए ।
१०	६	कहीं ऐसा न हो कि कोई आपको धोखा देकर आपको आपके वास्तविक अधिकार से वंचित कर दे ।
११	५	यदि आपके कार्य जघन्य (नफरत के योग्य) हैं तो आपकी संतान आप से नफरत करेगी ।
१२	४	अपने मित्र पर विश्वास करने के पहले उसकी जांच कर लीजिए ।
१३	३	अपनी खोई हुई सम्पत्ति (जायदाद) को पुनः पाने के लिए बहादुरी से प्रयत्न कीजिए ।
१४	२	पर्याप्त (कई) वर्षों के बाद फसल अच्छी होगी ।
१५	१	लौटने वाले यात्री के पास धन सुख प्रतिष्ठा होगी ।
१६		

उत्तर

ग

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	३१	प्रसन्नता पूर्वक रहिए, प्रसन्नता से कार्य कीजिए, ठीक से निगरानी कीजिए पर सन्देह को हल्का न कीजिए।
१८	३०	केवल सौंदर्य तथा प्रेम आलाप के लिए ही विवाह करना मूर्खता है।
१९	२९	अपने बच्चों को ठीक से चलने की शिक्षा दीजिए ताकि उत्तरावस्था में भी वे ठीक से चल सकें।
२०	२८	अपने भाग्य वृद्धि के लिए साहस से बढ़ते जाइए, सफलता मिलेगी।
२१	२७	इससे संकेत मिलता है कि अच्छे हो जाएंगे। (बीमारी से मुक्ति होगी)
२२	२६	आपके भाग्य में अकस्मात् लाभदायक परिवर्तन होगा।
२३	२५	आपके शत्रुओं के निन्दात्मक प्रचार से आपकी ख्याति पर आंच न आवेगी।
२४	२४	आपके पति की सुन्दरता तथा दयालुता को देखकर लोग आप से ईर्ष्या करेंगे।
२५	२३	रोगी दिनों की प्रतीक्षा करेगा।
२६	२२	अपनी प्रेमिका को प्रेम के और प्रमाण दीजिए तब उसका उचित प्रतिफल मिलेगा।
२७	२१	जो आपके साथ हैं वे आपकी सुरक्षा का ख्याल रक्खेंगे।
२८	२०	यह निश्चित है कि आपको दूसरे की जायदाद हाथ लगेगी परन्तु यह आपका कर्त्तव्य है कि उसे उसके वास्तविक अधिकारी तक पहुँचा दें।
२९	१९	क्या आप उस वस्तु से अवगत हैं जो आपको अल्प समय में पर्याप्त लाभ प्रदान करने में साधन बनेगी।
३०	१८	सावधान सतर्क रहिए तो आपको षडयन्त्रकारी मित्रों पर विजय मिलेगी।
३१	१७	आपके मित्र राजी खुशी हैं पर आपके सम्बन्ध में चिंतित हैं।
३२	१६	आपको एक पुत्र होगा जिसके पास पर्याप्त संपत्ति होगी।

उत्तर

त

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	१६	पत्नी सदाचारिणी तथा सुन्दरी होगी ।
२	१५	अरसों कैद के पश्चात् उसे मुक्ति मिल जायगी ।
३	१४	अरे, आप अपने बच्चों के बच्चों को भी देखेंगे ।
४	१३	जब आप यात्रा करेंगे तब ईश्वर आपकी मदद करेगा ।
५	१२	अपना वकील आप स्वयं बनिये ।
६	११	क्या आप अपने धन, अपनी प्रसन्नता एवं स्वयं को पासे की दांव पर लगाते हैं ।
७	१०	जब आप दश सहस्र (१००००) रुपये एकत्र कर लें तो अवकाश ग्रहण कर ले ।
८	९	आपका दुःख ही आपको उच्चपद पर आसीन करेगा ।
९	८	व्यर्थ जोखिम मत उठाइए ।
१०	७	जब आपको किसी मृत व्यक्ति की जायदाद हाथ लगे तो उसका विधवा और अनाथ बच्चों के प्रति न्याय कीजिए ।
११	६	उद्यमी बनिए और आवश्यकता पड़ने पर अलग द्रव्य भी जुटाइए ।
१२	५	ईमानदार बनिए और अपने समकालीन मित्रों की प्रशंसा से संतुष्ट होइए ।
१३	४	आपका मित्र अवश्य आपका विश्वासपात्र होगा । क्या वह आपका मित्र है ?
१४	३	अपराधी को कठोर दण्ड मत दीजिए ।
१५	२	सभी राष्ट्रों की सरकारें शीघ्र ही बदल जाएंगी ।
१६	१	यात्री के शीघ्र लौटने के सम्बन्ध में आपकी आशाएं ठोस नहीं हैं ।

उत्तर

त

प्रश्न संख्या	उत्तरसंख्या	
१७	३२	आपकी प्रेमिका की भावनाओं में आपके वियोग से कोई परिवर्त्तन नहीं होगा ।
१८	३१	अपनी पत्नी को प्रसन्न रखने का पूर्ण प्रयत्न कीजिये तब आप भी प्रसन्न चित्त होंगे ।
१९	३०	अपने बच्चों में गुण का बीजारोपण कीजिये, इसमें कोई सन्देह नहीं कि समय आने पर वे पर्याप्त सुख भोगेंगे ।
२०	२९	आपके दिन इतने बुरे नहीं है, आपको अपने ही कार्य अच्छे दिन दिखलाएंगे ।
२१	२८	ऐसा है कि आपके शत्रु हैं, जो आपको दुःख देने का प्रयत्न कर रहे हैं ।
२२	२७	दुर्दिन आने पर निराश न हों, अधिक दिन नहीं रहेंगे ।
२३	२६	आपके विरुद्ध की गई निन्दा का कोई मूल्य नहीं होगा ।
२४	२५	आपके पति का रङ्ग व मस्तिष्क एक लोमड़ी का होगा और उसके कार्य एक भेड़िया के होंगे ।
२५	२४	रोगी के व्यतिक्रम का शीघ्र ही शमन होगा ।
२६	२३	आप लोकप्रिय हैं इसका अवसर (लाभ) उठाइए अन्यथा विलम्ब खतरनाक होगा ।
२७	२२	व्यर्थ में सड़क पर मत घूमिए, खतरा उत्पन्न हो सकता है ।
२८	२१	आपको निश्चय से कुछ मिलेगा पर वह आपके लिए किसी काम का न होगा ।
२९	२०	गृहस्थी (कृषि) कीजिए ।
३०	१९	आपके शत्रु की चाल आप पर कारगर न होगी ।
३१	१८	इसमें संदेह मत कीजिए, आपके मित्र स्वस्थ्य तथा प्रसन्न हैं और अपने उत्तम अतीत का फल चख रहे हैं ।
३२	१७	आपको एक पुत्र होगा जिसमें माता पिता के सभी गुण होंगे ।

उत्तर

थ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	१७	पत्नी सुन्दरी नहीं होगी, इसके अतिरिक्त उससे विरक्ति का और कोई कारण न होगा।
२	१६	कुण्डी खींच दी जाएगी.दर्वाजे खुल जाएंगे और जंजीर टूट जाएगी।
३	१५	आपको आदरणीय की संज्ञा दी जाएगी, अपने जीवन को उचित ढङ्ग से व्यतीत करने का प्रयत्न कीजिए ?
४	१४	यदि विवेक से काम लें तो आपकी यात्रा सफल होगी।
५	१३	किसी पंच के निर्णय को सच न मानिए बल्की ईमानदार जूरी के निर्णय को वास्तविक समझिए।
६	१२	ऊँचा दाव न लगाइए।
७	११	क्या धन से ही संतोष व सुख संभव है।
८	१०	आपको आपकी योग्यताएं ही आपको ऊंचा बनाएगी।
९	९	इस योजना को कार्यान्वित करने के पूर्व इस पर भली-भांति सोच लीजिए।
१०	८	आपको मृत्युपत्र (वसीयत) के धन से क्या मतलब ? उद्यमी तथा मितव्ययी बनिए।
११	७	आपके अपने भविष्य की खुशी आप पर ही निर्भर है।
१२	६	अपने यश की लिप्सा कहीं आपको बुरे कामों की ओर न ढकेल दे।
१३	५	आप स्वयं के मित्र बनिए।
१४	४	साफ स्थान में दोबारा खोजने से भी कोई हानि नहीं।
१५	३	एक दक्षिण देश में शीघ्र ही कोई परिवर्तन होगा।
१६	२	वह शीघ्र ही लौटेगा, इससे मित्रों को प्रसन्नता होगी।

उत्तर

थ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	१	जिस हृदय में आपके प्रति प्रेम है वह सच्चा प्रमाणित होगा ।
१८	३२	अपनी मनवांछित स्त्री की स्थिति को ठीक से समझलो, यदि उसकी स्थिति तुम्हारे जैसी है तो निःसन्देह तुम दोनों को समृद्धि प्राप्त होगी ।
१९	३१	यदि बच्चा वुरा कार्य करता है तो उसे दण्ड दो, अन्त में वह तुम्हारे नाम का प्रकाश करेगा ।
२०	३०	अभी धैर्य से काम लो, वाद में विवेक से काम लेना तभी तुम्हें प्रसन्नता समृद्धि मिलेगी ।
२१	२९	ऐसा प्रतिभासित होता है कि आपको शीघ्र ही अच्छे समाचार सुनने को मिलेंगे ।
२२	२८	अपने दुर्दिनों में आपको जो पाठ (नसीहतें) मिलते हैं वे समृद्धि के दिनों में सफल सिद्ध होंगे ।
२३	२७	आपके वारे में बुरे समाचार प्रकाशित किए जाएंगे अन्ततोगत्वा आपके निंदक स्वयं दण्ड के भागी होंगे ।
२४	२६	आपके पति को उच्चस्थान प्राप्त होगा ।
२५	२५	कहीं रोगी ।
२६	२४	अपनी पत्नी के अतिरिक्त आपको औरों से भी प्रेम है ।
२७	२३	आपकी यात्रा का साथी हर खतरे से आपकी रक्षा करेगा ।
२८	२२	कोई हँसमुख साथी तुम्हारे लिए एक कोष के सदृश होगा जिसे देखकर आपकी आंखे खिल जाएंगी ।
२९	२१	
३०	२०	आपकी आशाओं को नष्ट करने के लिए आपका मित्र षडयन्त्र रच रहा है पर आपके लिए रचे फन्दे में वह स्वयं फँस जाएगा ।
३१	१९	आपके मित्र को स्वस्थ होने के लिए किसी चिकित्सालय की आवश्यकता नहीं है उसे एक पत्र मिला है जो उसे संतोष प्रदान कर रहा है ।
३२	१८	आपको एक पुत्र होगा जो अपार शक्तिशाली होगा ।

उत्तर

द

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	१८	धनी पत्नी का योग है।
२	१७	वंदी शीघ्र मुक्त होगा।
३	१६	आप दीर्घायु होंगे, अपनी आयु को बुरी रीति से न गवायें।
४	१५	अभी आप जहाँ हैं वहाँ और ठहरेंगे।
५	१४	अपने मित्रों को गुप्त मंत्रणा देकर सभी भेदभाव का शमन करने का यत्न कीजिए।
६	१३	किसी अच्छे परिवर्तन से आपको धन मिलेगा अतः विशेष चिंता न कीजिए।
७	१२	आपका व्यापार (सट्टा) साधारण तथा सफल होगा।
८	११	जिस प्रकार गङ्गा नदी अपनी बाढ़ से प्रतिवर्ष पर्याप्त फसल उत्पन्न कर देती है इसी प्रकार एक मित्र की ख्याति (सहायता) आपको उच्चपद, धन, प्रतिष्ठा देगी।
९	१०	आंशिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त मत कीजिए।
१०	९	सदैव उत्तम (अच्छे) की ही आशा कीजिए।
११	८	सोने, चाँदी के चकाचौंध में अपनी प्रसन्नता न समझें, वह तो आपके पवित्र व्यवहार में ही निहित है।
१२	७	यद्यपि वर्तमान पीढ़ी आपकी चापलूसी कर सकती है पर आने वाली पीढ़ी आपके प्रति इतना विनय नहीं दिखला सकेगी।
१३	६	ऐसे मित्र का विश्वास न कीजिए जिसके मन में कोई ऐसा रहस्य है जिसे आप तक ही रहना चाहिए।
१४	४	खोजिए और आप पा जाएंगे।
१५	५	वर्तमान युग राजनैतिक उथल-पुथल के साथ आगे बढ़ रहा है।
१६	३	वह उस समय नहीं लौटेगा जिस समय आशा की जाती है।

उत्तर

द

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	२	अपनी प्रेमिका के त्याग पर संदेह मत कीजिए ।
१८	१	जो व्यक्ति बलि वेदी पर की गई प्रतिज्ञा पर दृढ़ है उसके लिए दुःख है ही नहीं ।
१९	३२	अपने बच्चों के मस्तिष्क को उन्नत करने के अवसर को न छोड़े इससे उनकी जीवन यात्रा सुखद रहेगी ।
२०	३१	यदि आप निर्धन हैं तो धर्म और प्रतिष्ठा को बेच कर धन एकत्र करने की न सोचें, भाग्य का पहिया सर्वदा चल रहा है ।
२१	३०	अब से जो कुछ भी किया जाना संभव है वह सब आपको पर्याप्त मिलेगा ।
२२	२९	जब पर्याप्त हो तो उसी से संतुष्ट रहिए, आगे जोखिम उठाकर अपनी संपत्ति को बढ़ाने का यत्न न कीजिए ।
२३	२८	निंदक को आपकी ख्याति पर धब्बा लगाने का अवसर न दीजिए ।
२४	२७	आपके पति अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य का नियमन एवं संचालन करेंगे ।
२५	२६	डाक्टर द्वारा दिए गए आदेशों का कठोरता से पालन करें ।
२६	२५	आपकी पूजा एवं प्रतिष्ठा की जाती है तो उस अवस्था में असावधानी या विलंब के कारण अपने लाभ को न खो बैठें ।
२७	२४	अपने धन पर गर्व मत कीजिए, कहीं ऐसा न हो कि लोगों की आँखे उस पर गड़ जाएं ।
२८	२३	उद्यमी बनिए, इस प्रकार की कल्पनाओं पर निर्भर न रहिए ।
२९	२२	आवश्यकता पड़ने पर दवा लीजिए पर उसे दूसरों को देने को न सोचिए ।
३०	२१	कहीं ऐसा न हो कि आपके वर्तमान मित्र आपके शत्रु बन बैठें ।
३१	२०	जिस मित्र के बारे में आप सोच रहे हैं वह स्वस्थ व आराम की नींद सो रहा है ।
३२	१९	आपको एक लड़की होगी जो शरीफ तथा प्रेमपूर्ण व्यवहार करने वाली होगी ।

उत्तर

ध

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	१९	विवाह से भाग्य की वृद्धि होगी।
२	१८	कुछ समय बाद बंदी के सम्बन्ध की समस्त चिंताएं समाप्त हो जाएंगी।
३	१७	ईश्वर आपकी रक्षा कर रहा है। यदि आप पीने की लत छोड़ दें तो वह आपको दीर्घायु कर देगा।
४	१६	अपने घर से दूर की यात्रा मत कीजिए।
५	१५	ईश्वर की कृपा से आपका अभीष्ट सिद्ध होगा।
६	१४	किसी बुरे काम में पैसा मत खर्चिए।
७	१३	आपके व्यापार का कोई साझीदार आपको बरबाद (नष्ट) कर देगा।
८	१२	आए को मत छोड़िए क्योंकि उससे आपको काफी उच्च पद संभव है।
९	११	अपने विचार को अक्षुण्ण (बनाए) रखिये, तब आप सफल होंगे।
१०	१०	आपको अच्छे भाग्य का योग है।
११	९	अपने भाग्य पर मत दुःख कीजिए अपितु स्वयं को भविष्य के लिए उन्नत कीजिए।
१२	८	व्यर्थ की लिप्साओं से अमरत्व प्राप्त करने की स्पृहा न करें।
१३	७	अपने मित्र के साथ अच्छा बर्ताव करके उसे दिखला दीजिए कि उसे अपने ही हित में आपके प्रति विश्वास होना चाहिए।
१४	६	भली भांति पूछ-ताछ कीजिए तभी वस्तु का पता लगेगा।
१५	५	चतुर व्यक्ति सभी प्रकार के उथल-पुथल के लिये प्रबन्ध करेगा।
१६	४	यात्री अचानक ही लौट आवेगा।

उत्तर

ध

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	३	आप अपनी प्रेयसी (प्रेमिका) के प्रति निष्ठावान हों जितनी वह आपके प्रति है और तब आप सुखी हो सकेंगे।
१८	२	पारस्परिक प्रेम से समृद्धि तथा प्रसन्नता प्राप्त होगी।
१९	१	अपने परिवार के सदस्यों को ईश्वर की ओर उन्मुख करो, वह सब की रक्षा करेगा।
२०	३२	अपने दुर्भाग्य के क्षणों में ईश्वर को भला बुरा कह कर निगोड़े मत बनिए अपितु पूरी क्षमता से कार्य कीजिए और तब आप पुनः समृद्धिशाली होंगे।
२१	३१	आपको खतरे से सावधान होने की सूचना दी जा रही है।
२२	३०	आपको जीवन के प्रारम्भिक काल में परिवर्तन होंगे परन्तु बड़े होने पर आपको सुख होगा।
२३	२९	अपने यशकी वृद्धि मे आपको न्याय और विवेकका मार्ग अपनाना है।
२४	२८	आपका विवाह एक कुलीन किन्तु निर्धन कन्या से होगा।
२५	२७	स्वस्थ होने के लिए अपने प्रिय स्वजन द्वारा रोगी को प्रसन्न चित्त रखने का यत्न कीजिए।
२६	२६	आपका प्रेम पारस्परिक है, परन्तु उसमें मतभेद (विघ्न) पैदा करने के लिए बाह्य प्रयत्न होंगे।
२७	२५	अपने इरादे से शीघ्र या देर से निकल जाइए।
२८	२४	यदि यह विशेष मूल्य का नहीं है तो आप निराश भी न हो।
२९	२३	अपनी प्रतिमा (प्रतिष्ठा) को उन्नत कीजिए और पैसे वाला पेशा अपनाइए।
३०	२२	दगेबाज (धोखा देने वाला) से सावधान रहिए। इससे अधिक और कुछ नहीं कहा जाएगा।
३१	२१	आप किसके बारे में चिंतित है वह पूर्ण स्वस्थ है और घरेलू काम में लगा है।
३२	२०	आपको एक लड़का होगा, यदि समय से उसे नहीं सुधारा गया तो वह आपकी परेशानी का कारण बन जाएगा।

उत्तर

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	न
१	२०	इस विवाह से आपको शीघ्र सम्पत्ति मिलेगी।
२	१९	बन्दी को तो अब क्षमा तथा दया की याचना करनी चाहिए।
३	१८	ईश्वर प्रदत्त आयु से विशेष की आकांक्षा न करें।
४	१७	विदेश में नवपरिचित लोग आपकी रक्षा करेंगे।
५	१६	अपने शत्रु के षड़यंत्र में आप फँस जाएंगे।
६	१५	किसी जूए घर में जाइए, उस निराश जुआड़ी को देखिए जो जूए में हार चुका है तब सोचिए।
७	१४	एक साझीदार साथी खोज लीजिए परन्तु स्वयं लापरवाह मत होइए।
८	१३	ऊँची प्रतिभाओं से लोकप्रियता एवं रुचि से उच्चपद प्राप्त होता है, आपके भाग्य में दोनों हैं।
९	१२	अपने से बुद्धिमान् की सलाह लीजिए।
१०	११	जो द्रव्य आपके पास रहेगा उससे आपकी चिंता में कमी नहीं होगी।
११	१०	समय से पूर्व दुर्दिन का भय मत कीजिए।
१२	९	न्याय की रक्षा के लिए ही न्याय कीजिए; भावी प्रशंसा की लालसा से नहीं।
१३	८	छोटी मोटी बातों पर अपने मित्र से मत झगड़िए, कहीं ऐसा न हो कि महत्वपूर्ण कार्यों में आप उसकी सहायता से वंचित हो जाएं।
१४	७	अपने माल को पुनः प्राप्त करने के सम्बन्ध में निराश न हों।
१५	६	यदि समय प्रतिकूल हो तो (उसे ठीक करने के लिए) और अधिक श्रम बढ़ाएं।
१६	५	यात्री उसी समय लौटेगा जिस समय आप उसकी आशा करते हैं।

उत्तर

न

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	४	अपनी प्रेमिका के हृदय में बस आप ही आप हैं।
१८	३	एक दूसरे में (परस्पर) विश्वास रखने से सुख प्राप्त होगा।
१९	२	यदि आप विवेक एवं न्याय का सहारा लें तो आपका परिवार आपका अनुसरण करेगा।
२०	१	आप अपनी वर्तमान विपत्ति से मुक्त होंगे।
२१	३२	इसका तात्पर्य है, चिर प्रेमियों में सुखद मेल।
२२	३१	जीवन तो अच्छाई-बुराई से मिश्रित है ही।
२३	३०	आप पर मिथ्या दोषारोपण का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, निंदक स्वयं मात खाएगा।
२४	२९	जिस किसी से आपका विवाह होगा वह बहुत शक्तिशाली होगा, उसका उचित सत्कार करना।
२५	२८	जब तक उचित दवाई न दीजिए उसका देना बेकार है, फिर उससे आराम कहाँ।
२६	२७	आपके प्रेमी की धड़कन आपके हृदय के धड़कन की ही तरह है।
२७	२६	खतरे से न डरें, यदि आप अडिग हैं तो आपको उससे कोई हानि नहीं।
२८	२५	अपार स्वर्ग एवं रजत के वैभव की अपेक्षा आपके लिए घरेलू आनन्द ही श्रेष्ठ है।
२९	२४	अपनी इच्छानुकूल ही कार्य करें।
३०	२३	एक शत्रु आपको गिराने, फसाने का उद्योग करेगा परन्तु अन्ततोगत्वा उसके प्रयत्न विफल होंगे।
३१	२२	आपके मित्र अब स्वस्थ हैं और इस समय वे अपने सम्बन्धियों से वार्तालाप कर रहे हैं।
३२	२१	आपको लड़का व लड़की दोनों का योग है जो आपकी बुढ़ौती के सहारे होंगे।

उत्तर

प

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	२१	आपके विवाह से आपको कोई विशेष सुख नहीं प्राप्त होगा ।
२	२०	बंदी अभी और अनेक दिन कारावास भोगेगा ।
३	१९	लम्बे समय तक जीना उन लोगों के लिए अभिशाप है जो उसका दुरुपयोग करते हैं ।
४	१८	आपके भाग्य में घर में ही रहकर सुखी रहना लिखा है ।
५	१७	अपने आगामी कार्यों में पूरी शक्ति लगा दीजिए, आपकी मनोकामना पूरी होगी ।
६	१६	चोर और धोखेबाज भले ही धनी हों, उन पर कभी विश्वास मत करना ।
७	१५	उन सभी लोगों पर जो आपकी कमाई खाते हैं, कड़ी निगाह रक्खे ।
८	१४	जब आप वैभव और प्रतिष्ठा भोग रहे हों तो उस समय आप अपने मित्रों का भी ध्यान रक्खें ।
९	१३	कूदने के पहले देख (समझ) लीजिए ।
१०	१२	युग की चंचलता पर आश्रित न हो जाएं ।
११	११	यदि आप इसी प्रकार गुणी बने रहें तो सुखी रहेंगे ।
१२	१०	अपने पद के कर्त्तव्यों को पूरा निभाएं तथा भावी यश के परिणाम को छोड़ दें ।
१३	९	किसी की मित्रता का विशेष (आवश्यता से अधिक) मूल्यांकन न करें ।
१४	८	क्या आप इस सम्बन्ध में निश्चित हैं कि इसकी चोरी हुई है ।
१५	७	पर्याप्त वर्षा से भूमि उर्वर (उपजाऊ) हो जायेगी ।
१६	६	फिलहाल प्रवासी यात्री के लोटने की कोई आशा नहीं ।

उत्तर

प

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	५	जिसे आप बेहद चाहते हैं उससे प्रेम के मार्ग में कोई दूसरा बाधक नहीं होगा ।
१८	४	विवाह सुख और समृद्धि का द्योतक है ।
१९	३	अपने बच्चों को उपदेश दीजिए, उनके समक्ष अच्छा उदाहरण उपस्थित कीजिए और तब उनको खुशी ही खुशी होगी ।
२०	२	आपके दुर्दिन का शीघ्र ही अन्त होगा ।
२१	१	आपके रात्रि के स्वप्न आपके अच्छे भाग्य की भूमिका है ।
२२	३२	आपकी जीवन यात्रा पहले तो कोलाहल पूर्ण होगी उपरान्त वह कोलाहल शांत होगा और तब अनुकूल हवाएं आपको फिर स्वतंत्रता की ओर ले जाएंगी ।
२३	३१	परीक्षा के दिनों में आपकी बेगुनाही ही आपको संभालेगी और निंदक की जीह्वा सदा के लिए बन्द हो जायगी ।
२४	३०	आपके पति का यश बहुत फैलेगा ।
२५	२९	रोगी अपने स्वास्थ्य तथा दीर्घायु की अभी भी आशा कर सकता है ।
२६	२८	आप एक साहसिक बनिए ।
२७	२७	आप इस समय कहीं भ्रमण करेंगे ।
२८	२६	खजाने को पाने की आशा न करें ।
२९	२५	धन का सदुपयोग करें ।
३०	२४	आप आचरण शील बनें, लोग आप से प्रेम करेंगे ।
३१	२३	आपके मित्र प्रसन्न हैं ।
३२	२२	आपको पुत्र होगा ।

उत्तर

फ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	२२	आप हर प्रकार से अपनी पत्नी से प्रेम करेंगे।
२	२१	वह बन्दी को मुक्त करा देगा।
३	२०	आप संयमी बनें तब वृद्धावस्था प्राप्त करने की अभिलाषा रक्खें।
४	१९	घर पर ही सुख निहित है।
५	१८	विवाह में धन का अपव्यय न करें।
६	१७	अच्छे भाग्य के आने से गर्व से उन्मत्त न हो जाएं।
७	१६	
८	१५	आप अपने भाग्य के स्वयं निर्माता हैं।
९	१४	आप अपनी सम्पत्ति पर निर्भर न हों।
१०	१३	अपनी पैतृक सम्पत्ति का उपयुक्त वितरण करें।
११	१२	अकस्मात् संपत्ति का योग है।
१२	११	
१३	१०	वह हतभाग्य है जो दूसरों की मैत्री व सद्भावना को जोहता रहता है।
१४	९	अन्त में चोर का पता लग जाएगा।
१५	८	पर्याप्त सफलता की आशा रक्खें।
१६	७	उचित समय से लौट आएगा।

उत्तर

फ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	६	ग्रापकी प्रेमिका आपके शीघ्र ग्रागमन की मंशा से प्रार्थना करने को नहीं रुकेगी।
१८	५	अपने वैवाहिक ग्रानन्द को छोटे-मोटे झगड़ों के कारण नष्ट न होने दें।
१९	४	जैसा आप बोएंगे वैसा ही आपके बच्चे काटेंगे।
२०	३	ग्रपने दुर्भाग्य से हताश न हों, उसका वैसे ही अन्त होगा जैसे सूर्य की किरण से कोहरे का।
२१	२	आपके स्वप्न का अभिप्राय यह है कि आप कुछ धन दान में देंगे।
२२	१	तुम्हारे निकट स्थान में बराबर परिवर्तन होता रहेगा।
२३	३२	अपना व्यवहार सदैव खुला, विवेक शील ग्रौर सच्चा रखिए, तब आप ग्रपने निंदक के प्रलाप को चुप कर सकेंगे।
२४	३१	अपनी मनोवांछित स्त्री से विवाह होने से ग्रापको शांति, पर्याप्त धन व सुख प्राप्त होगा।
२५	३०	रोगी के मस्तिष्क को किसी दुःखी वार्ता से संतप्त न कीजिए।
२६	२९	ग्रपनी प्रेमिका के साथ स्नेह के मार्ग में किसी दूसरे के अधिकार का भय न पैदा करें।
२७	२८	छाया पर मत दौड़िए, हो सकता है कि ऐसा करने से आप तत्व (वास्तविकता) को भी खो बैठें।
२८	२७	खतरे का पूरे बल से सामना कीजिए, तथा बाहरी प्रदर्शन से न डरिए।
२९	२६	ग्रपने किसी भाषण में आप मुँह की खाएंगे।
३०	२५	किसी विवाद में जो शीघ्र ही होने वाला है आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे।
३१	२४	आपके मित्र को कोई शारीरिक कष्ट नहीं है। वह ग्रापसे कोई पत्र या समाचार पाने की आशा रखता है।
३२	२३	ग्रापको कई सन्तान होंगी यदि उन्हें ग्राप उचित दीक्षा दें तो उनके गुण ग्रापके परिश्रम को घोषित करेंगे।

उत्तर

ब

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	२३	सतर्कता से काम लें और तब यह विवाह आपके लिए सौभाग्यशाली होगा।
२	२२	तहखाने के ताले को सोने की चाभी से खोलिए।
३	२१	अभिमानी मनुष्यों तुम क्या हो मत भूलो।
४	२०	अपनी मातृभूमि से विदेश की ओर का प्रयास आपको सम्पत्तिशाली न होने देगा।
५	१९	आपके वर्तमान कानूनी कार्य में सफलता के मध्य कई बाधाएँ हैं।
६	१८	
७	१७	जब आप अपार शक्तिशाली हो जाएँ तो अन्याय पूर्ण कार्यों से अपना अधःपतन न करें।
८	१६	आपको धन होगा।
९	१५	अपने कार्य में निराशा को स्थान न दें।
१०	१४	विवेक और न्याय से कार्य करें, तब आप निश्चित ही सुखी होंगे।
११	१३	अन्यायपूर्ण कार्य से अपनी प्रतिष्ठा को बढ़ाने का प्रयत्न न करें।
१२	१२	यदि कोई व्यक्ति अपनी अभिन्न मित्रता का आपको विश्वास दिलाए तो भी उसकी सचाई पर संदेह कीजिए।
१३	११	धैर्य रक्खें सभी घटनाएं अपनी वास्तविक रूप में सामने आजाएंगी।
१४	१०	पृथ्वी के देशों में एक क्राँतिकारी उथल-पुथल होगी।
१५	९	आगमन की बातों से उसका शीघ्र लौटना रुक गया है।
१६	८	जिससे आपको स्नेह है उसे अधिक दिनों तक दूर रखने से खतरा है।

उत्तार

ब

प्रश्नसंख्या	उत्तारसंख्या	
१८	६	सुख तो वास्तव में दोनों (पत्नि) के पारस्परिक स्नेह और सहन शीलता पर निर्भर है।
१९	५	अपने बच्चो को कर्त्तव्य पालन के मार्ग पर ले चलिए, आपके उठ जाने पर वे कभी इससे अलग न होंगे।
२०	४	आपके अपने स्वयं के प्रयत्न से आपको सभी दुःखों पर विजय होगी।
२१	३	आपको कोई महत्वपूर्ण पत्र मिलेगा।
२२	२	आप किसी परिवर्तन के विषय (पात्र) न बनेंगे।
२३	१	बहुत कम लोग निंदकों की निंदा से बच पाते हैं।
२४	३२	आपका पति अत्यन्त महत्वाकांक्षी होगा, उसका गृह धनधान्य से भरा होगा और उसका एक खेत अनाज से भरा होगा।
२५	३१	रोगी को वर्तमान बीमारी को सहन करने की कहाँ तक शक्ति है, उसका स्वस्थ होना उसी पर निर्भर करता है।
२६	३०	आपकी आशाएं सफल होंगी बशर्ते आप इस मामले में विवेक से काम लें।
२७	२९	इस यात्रा में कभी ऐसा न सोचिए कि हर तरफ से लुटेरा या चीता आप पर झपटा मारेगा अपितु अपने मार्ग पर निःशंक बढ़ते जाइए।
२८	२८	इस सम्बन्ध में सम्पत्ति का आपसे सम्बन्ध नहीं है।
२९	२७	इस विषय पर अपने पिछले मित्र द्वारा दी गई सलाह पर ध्यान दें।
३०	२६	आपके शत्रु शक्तिहीन हो गए हैं और वे आपकी प्रतिष्ठा के पात्र नहीं रहे।
३१	२५	आपके मित्रों को कोई भी शारीरिक संकट नहीं हैं फिर भी वे भौतिक बातों के सम्बन्ध में चिंता मुक्त नहीं है।
३२	२४	उसे एक पुत्र होगा जो युवावस्था में प्रशंसा का पात्र तथा बुढ़ौती में आदर का पात्र बनेगा।

उत्तर

भ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	२४	इस विवाह से आपका कल्याए तथा आपको सुख मिलेगा।
२	२३	बंदी को कोई शारीरिक संकट न होगा।
३	२२	यदि आपका भोजन परिमित है, व्यक्तित्व स्वस्थ है और आप अपने व्यवहार में ठीक हैं तो आपकी वृद्धावस्था मजे में कट जायेगी।
४	२१	किसी दूर देश में आपको कोष मिलेगा।
५	२०	इस मुकदमे में अधिक फीस न दें।
६	१९	अपना कार्य-व्यापार पर ध्यान दें तथा खेलकूद से मुंह मोड़ें।
७	१८	अपना बर्ताव सदा ईमानदारी का रक्खें और सफलता के लिए ईश्वर पर विश्वास करें।
८	१७	जब आप इस पृथ्वी के शक्तिशालियों के कृपा पात्र बन जाएं तो ध्यान रक्खें कि किसी भी प्रकार से चापलूसी का आप पर प्रभाव न पड़े।
९	१६	आपको जो सम्पत्ति मिली है उससे आप प्रसन्न तथा संतुष्ट रहें।
१०	१५	आप अपने काम को परिश्रम से करें, पैतृक संपत्ति की इच्छा न करें।
११	१४	आपके दुर्दिन हट जाएंगे और आप सुखी होंगे।
१२	१३	केवल गुणी के सत्कार्यों के प्रति संतान श्रद्धा करेगी।
१३	१२	अपने मित्रों के वायदों की अपेक्षा उनके कार्यों पर विशेष निर्भर रहें।
१४	११	अपने घर के लोगों से कड़ी पूछ तांछ करें।
१५	१०	उस देश में जहां अशिक्षा, आलस्य एवं विलास का साम्राज्य है वहां विवेक का शीघ्र ही अन्त होगा।
१६	९	यात्री शीघ्र ही अपने देश का तथा सब सम्बन्धियों के पास पुनः भ्रमण करेगा।

उत्तर

भ

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	८	आप स्वयं लापरवाह (अनमनस्क) न बनें, आपकी प्रेयसी आपके प्रतिनिष्ठा रक्खेगी ।
१८	७	इस विवाह से वास्तविक सुख प्राप्त होगा ।
१९	६	अपने बच्चों को धन की अपेक्षा ज्ञान देने की चिंता करें, तब वे सुखी होंगे ।
२०	५	आपके दुर्दिन अब टल जाएंगे ।
२१	४	आपके स्वप्न का अभिप्राय है आपके शत्रुओं का दुर्भाग्य ।
२२	३	यदि आप घर पर रुक जायें तो किसी भी परिवर्तन का सामना नहीं करना पड़ेगा ।
२३	२	आपके निन्दक शीघ्र ही लज्जा तथा अपमान का कारण बनेंगे ।
२४	१	आपका पति विद्वान, उत्तम स्वभाव वाला और सुन्दर होगा ।
२५	३२	रोगी के मस्तिष्क को मित्रों के सहृदयतापूर्ण व्यवहार से शान्त होने दें तब अत्यन्त सुख सम्भव है ।
२६	३१	आपके स्नेह का प्रत्युत्तर इस समय संदेहास्पद हो सकता है परन्तु सच्ची लगन और सावधानी से आपको सफलता मिलेगी ।
२७	३०	अपनी यात्रा पर अनावश्यक मत ठहरें क्यों कि कहीं विलम्ब से ठहरने में आपकी सुरक्षा को खतरा न हो ।
२८	२९	सुख्याति आपके लिए विशेष मूल्यवान कोष साबित होगा अतः इसे न खोइएगा ।
२९	२८	पुस्तक का व्यापार कीजिए, आप समृद्धिशाली होंगे ।
३०	२७	आपके शत्रु आपकी निंदा करेंगे और अवसर मिलने पर आपको चोट भी पहुँचायेंगे ।
३१	२६	आपका मित्र स्वस्थ है और वह किसी यात्रा पर जाने की फिराक में है।
३२	२५	उसे एक पुत्र होगा, किन्तु आपका यह कर्त्तव्य है कि आप उसे सलाह देकर ठीक रक्खें ।

उत्तार

म

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	२५	संतोष के आगमन से यह विवाह एक स्वर्ग हो जायग ।
२	२४	विचारे वंदी को ढाढ़स दें, उसे शीघ्र मुक्ति मिलेगी ।
३	२३	यदि आपकी दैनिकचर्या खराव होगी तो दीर्घायु की आशा करना व्यर्थ है ।
४	२२	घर पर ही अपने सुख के क्षणों की प्रतीक्षा करें ।
५	२१	कानून से कोई आशा न रक्खें अब आप सफल नहीं हो सकते ।
६	२०	उन सभी बातों से विरत रहें जो नर्क की ओर ढकेलता है ।
७	१९	एक मालिक की आँख उसके दोनों हाथों के बराबर है ।
८	१८	उच्चपद प्राप्त करने के लिए किसी की चिरौरी (खुशामत) मत करो, विना किसी की सहायता के आप उच्चपद प्राप्त करेंगे ।
९	१७	अपनी वर्तमान सम्पत्ति पर पूर्णतया निर्भर न हो जाएं ।
१०	१६	अपनी पैतृक सम्पत्ति को अपने बराबर वालों साझीदारों में बटवारा कर दें ।
११	१५	जिस प्रकार एक पौधा फलको पाकर झूम जाता है उसी प्रकार अकस्मात् सम्पत्तियों को पाकर आप खिल जाएंगे ।
१२	१४	यदि सम्पत्ति नहीं तो आपको कैसे यश प्राप्त होगा ।
१३	१३	इस संसार में मित्र दुर्लभ होते हैं और यदि मिल जाएं तो उनका मूल्य उत्कृष्ट होता है ।
१४	१२	अपने नौकरों पर झूठमूठ दोषारोपण न करें ।
१५	११	एक देश को चाहे वह कितना भी उच्चावचन का विषय क्यों न हो उसे किसी महान स्थिति पर अवश्य दृढ़ हो जाना पड़ता है ।
१६	१०	वह विशेष दिनों तक नहीं ठहरेगा ।

उत्तर

म

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	९	अपनी प्रेयसी (प्रेमिका) की विश्वासपात्रता पर संशय न करें।
१८	८	यदि विवाह में विवेक से काम लिया जाय तो वह मनुष्य के लिए स्वर्ग बन सकता है।
१९	७	बच्चों को लोभी बनने की शिक्षा न दें, तब वे संतुष्ट तथा सुखी होंगे।
२०	६	आपको अचानक सुख सम्पत्ति का योग है।
२१	५	खतरे से बचने का प्रयत्न करें।
२२	४	जिस प्रकार एक महान सागर में एक कमजोर नाव की स्थिति डांवाडोल रहती है उसी प्रकार जीवन के तूफानी समुद्र पर आपकी स्थिति होगी पर अन्त में आपको सुख मिलेगा।
२३	३	आप कितने ही दूध के धोए हों आप निंदा से बच नहीं सकते।
२४	२	यदि आप अपने पति पर शासन करने का प्रयत्न न करें तो आपके पति का स्वभाव अच्छा होगा और वह आपको सुखी रक्खेगा।
२५	१	रोगी स्वस्थ हो सकता है किन्तु यदि उसकी हालत बिगड़ जाए तो स्मशान के लिए उचित तैयारी करनी चाहिए।
२६	३२	वर्तमान में आप जिस वस्तु की अभिलाषा करते हैं वह समय आने पर आपको अनायास प्राप्त हो जायेगी।
२७	३१	यात्रा में जिन लोगों से आपकी भेंट हो आप उनमें हिलमिल जाएं तो चिह्नाम की कोई वस्तु आपके सामने न रहेगी।
२८	३०	खजाने कठिनाई (दुर्लभ) से ही मिलते हैं परन्तु उनके पाने के लिए समय और प्रयत्न करना व्यर्थ है।
२९	२९	यदि आपको पसन्द है तो सूई का प्रयोग करें।
३०	२८	शत्रु द्वारा आप पर छोड़ा गया बाण उल्टे उसी के सिर को बेधेगा।
३१	२७	जिस व्यक्ति से आपका सम्पर्क है उसके कार्य में एक साधारण व्यतिक्रम उपस्थित होगा परन्तु उसका शीघ्र ही अन्त होगा।
३२	२६	आपको कई लड़के लड़कियां होंगी इसे भूलें न।

उत्तर

य

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	२६	आपका विवाह एक धनी परिवार में होगा जहां से आपको पर्याप्त सम्पत्ति मिलेगी।
२	२५	दुःखी बन्दी को जाकर देखिए, उसके दुःख शीघ्र ही सुख में परिणत होंगे।
३	२४	वह वृद्ध वास्तव में हतभाग्य है जो समय से पूर्व ही नर्कवास की सोचता है। क्या आप बड़े बुढ़े होकर ऐसा ही दुष्ट बनेंगे। पेड़ के सड़ने की अपेक्षा उसका मुर्झा जाना अच्छा है।
४	२३	निर्भय होकर समुद्री यात्रा करो।
५	२२	अपने सभी मतभेदों को गुप्त रूप से ठीक-ठीक करने का प्रयत्न करें।
६	२१	समय को स्वयं और औरों को नष्ट करने में व्यतीत करने की अपेक्षा उसे सोकर बिताना अच्छा है।
७	२०	हां यदि आप क्रमशः अपव्यय को छोड़ दें।
८	१९	न तो दुःख के समय दीन और न सुख के समय स्वेच्छाचारी होना चाहिए।
९	१८	
१०	१७	आपको कुछ पैतृकधन प्राप्त होगा। इससे आपका कोई विशेष लाभ नही होगा यदि आप उसे मूर्खतापूर्वक व्यय करते रहेंगे।
११	१६	जिन अवगुणों को आप दूसरों में देखते हैं उन्हें पहले स्वयं अपने में से हटा लें तो सुखी होंगे।
१२	१५	दुष्टों द्वारा की गई प्रशंसा से कोई लाभ नहीं जब कि सज्जनों द्वारा की गई प्रशंसा पर्याप्त फलवती होती है।
१३	१४	यदि आप किसी बुरी संगत में पड़ कर दुष्ट कर्म करते हैं तो आप को यशकी आशा कभी नहीं करनी चाहिए।
१४	१३	निर्दोषी को झूठमूठ दोषी न ठहराइए।
१५	१२	जहां उपघत दबाव का साम्राज्य है, जहां अश्रुकण मिट्टी को सींचते हैं, जहां से फसल बढ़ती हो, वहां गृहस्थ अपने अन्जीर के पेड़ के नीचे बैठा पर्याप्तता का आनन्द लेगा।
१६	११	विदेश से उसके शीघ्र आगमन की तैयारियां होने दें।

उत्तर

य

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	१०	अपनी प्रेमिका से पत्राचार करना न भूलें।
१८	९	विवाहित व्यक्तियों के घरेलू मामले में कोई हस्तक्षेप न करें, वह स्वतः शीघ्र समाप्त हो जायगा, वे दोनों पूर्ववत् सुखी होंगे।
१९	८	अपने बच्चों के मस्तिष्क में प्रतिष्ठा और ईमानदारी भरें, फिर वे सुखी रहेंगे।
२०	७	जो कोई भी घटना आपके साथ घटती है उसका सामना करे, कौन जाने आपका दुर्भाग्य सौभाग्य बन जाए।
२१	६	यदि आप अपने आचरण में कोई त्रुटि पाते हों तो उनको दूर करने का यत्न करें।
२२	५	आप परिवर्तनों के शिकार न होंगे।
२३	४	शत्रुओं द्वारा फैलाई गई बुरी अफवाहों वा अपवादों से आप पर कोई आंच न आने पाएगी।
२४	३	आपका पति धनी होगा किन्तु उसका उद्देश्य आप पर अधिकार व नियन्त्रण रखना होगा।
२५	२	रोगी वर्तमान रोग से शीघ्र ही मुक्त होगा।
२६	१	आप दोनों (पति-पत्नी) के प्रेम में पूर्ण एकता है।
२७	३२	जो कुछ छोटी मोटी असुविधाएं हों उनकी परवाह न करें ऐसा न हो कि बड़े खतरों के आने पर कहीं आप हिम्मत छोड़ दे।
२८	३१	
२९	३०	जिन दो प्रधान व्यापारों में तुमने हाथ लगाया है, उनमें अन्तर दृष्टि रखो एक सप्ताह तक के लिए दोनों की निगरानी करो; जिसके बारे में स्वप्न देख रहे हो उसे बढ़ाओ।
३०	२९	काफी सावधानी से कार्य कीजिए, फिर आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे।
३१	२८	आपका मित्र वर्तमान काल में स्वस्थ है और अभी दान दे रहा है।
३२	२७	आप अनेक लड़के लड़कियों से घिरे रहेंगे।

उत्तर

र

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	२७	आपको एक प्रतिष्ठित, सुन्दर एवं नवयुवती पत्नी होगी।
२	२६	वंदी मुक्त होगा किन्तु पुनः बंदी वन जाने की आशंका के प्रति सतर्क रहें।
३	२५	अपनी संतान एवं संबंधियों से ऐसा बर्ताव रखे जिसमें कि वे वृद्धावस्था आने पर आपका ध्यान रक्खें।
४	२४	अपने देश से विमुख (वाहर जाने) होने के प्रस्ताव में दृढ़ता से काम लीजिए।
५	२३	खतरे वहुत हैं और प्राप्ति के अवसर कम हैं, संभव है कि अंत में आप अपना सर्वस्व खो वैठें।
६	२२	जूए, स्त्री, एवं शराव से आप दूर रहें, तब आप सुखी होंगे।
८	२०	(किसी काम में) अभिरुचि (लगन) आपको उच्चस्थान दिलाएगी।
९	१९	यद्यपि आपके पास पैतृक संपत्ति है फिर भी उद्यमी एवं मितव्ययी वनिए।
१०	१८	अपने शत्रुओं के जाल से वचिए।
११	१७	ऐसे किसी कार्य को हाथ में न लें जिसके वारे में आपने पहले से न सोचा हो भले ही इससे आपकी प्रतिष्ठा में वाधा पड़े।
१२	१६	यदि आप दुष्ट आत्मा से विश्वासपात्र होने की आशा रखेंगे तो धोखा खाएंगे।
१३	१५	काफी रहस्यमय ढंग से प्रत्येक व्यक्ति की भिन्न-भिन्न (अलग-अलग) परीक्षा लें।
१४	१४	अव दवाव एवं दासता के दिन टले, स्वतंत्रता के दिन आ रहे हैं।
१५	१३	थोड़े समय के लिए वह अपरिचित ही रहेगा।

उत्तर

र

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	११	अपनी प्रेयसी को प्रेमसे विचलित होने का अवसर न दें।
१८	१०	छोटी-छोटी दातों में एक दूसरे से सलाह करने दें, दोनों प्रसन्न होंगे।
१९	९	जिनके बारे में आप चिंतित हैं वे सुखी एवं समृद्धशाली हैं।
२०	८	ऐसा भय न करें कि आपके दुर्दिन अभी आपका और पीछा करेंगे।
२१	७	आपके आचरश में सुधार की आवश्यकता है।
२२	६	बुरे दिनों के बाद अब अच्छे ही दिन आएंगे।
२३	५	तुम्हारे शत्रुओं द्वारा की गई निंदाएं उल्टे उन्हीं पर मंडराएंगी।
२४	४	आपका संयोग (मेल) एक श्यामवर्ण वाले किन्तु अच्छे नाक व नक्श वाले व्यक्ति से होगा।
२५	३	रोगी का व्यतिक्रम (रोग) उचित उपचार द्वारा ही होगा।
२६	२	आपकी प्रेयसी (प्रेमिका) के सामने सदैव आपकी ही मूर्ति रहती है।
२७	१	यात्रा में पूर्ण तैयारी के साथ सशस्त्र जाएं एवं मार्ग में अपने मित्रों के साथ बहस न करें, तब आपकी यात्रा सुखद रहेगी।
२८	३२	यदि आपके पास पर्याप्त संपत्ति हो तो उसी से संतुष्ट रहें, कोई जोखमी कार्य न करें।
२९	३१	जब कोई कोष आप पा जाएं तो शांत रहें तभी उसका अच्छा उपयोग हो सकेगा। ऐसा व्यापार चुने जिसमें कौशल की आवश्यकता हो न कि बुद्धिकौशल की।
३०	३०	अपना आचरण ऐसा बनाएं जिसमें लोग आप से प्रेम करें, घृणा नहीं।
३१	२९	आपका मित्र पूर्ण स्वस्थ है फिर भी चिंतित है।
३२	२८	आपको पुत्र रत्न प्राप्त होंगे, युवावस्था में उन्हें अपने कृत्य के बारे में समझाना ताकि आपके वृद्ध होने पर वे आपसे अलग न हो जाएं।

उत्तर

ल

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	२८	अपका विवाह सम्पत्तिशाली व्यक्ति से होगा अस्तु आप संतुष्ट व प्रसन्न हों।
२	२७	कारावास, चिंता, भय, स्वतन्त्रता एवं हर्ष एक के वाद एक शीघ्र ही आयेंगे।
३	२६	यदि अपना भोजन उचित रूप से कर सकने की क्षमता रखते हों तो कभी भी वृद्धावस्था (जर्जर) की स्पृहा न रक्खें।
४	२५	आप अपार सम्पत्तिशाली स्थानों में भ्रमण करेंगे किन्तु देखें उस वैभव के चकाचौंघ में अपनी पत्नी तथा वच्चों को न भूलें।
५	२४	कानून द्वारा अपने माल की रक्षा करने के वारे में न सोचें।
६	२३	बारह वजने के बाद अपने कार्य से छुट्टी पाले क्यों कि उस समय के पश्चात् आपको कुछ नहीं मिलने को है।
७	२२	दीर्घावधि (अधिक समय के) ऋणों को देने लेने के लाभ से आप वंचित रहेंगे।
८	२१	आप अपने व्यवहार में प्रतिष्ठित एवं ईमानदार वनें, तव आप उच्चस्तर पर उठजाएँगे।
९	२०	आपके मार्ग में अप्रत्याशित बाधाएँ आएंगी।
१०	१९	आपको धन एवं भूमि प्राप्त है किन्तु इन सब का होना व्यर्थ है यदि आप विवेकशील नहीं रहेंगे।
११	१८	मित्रों के निर्वाचन में सावधानी वरतें, तब उन्हीं से आपका भविष्य अच्छा होगा।
१२	१७	ईश्वरप्रदत्त गुणों पर विश्वास रख, मनुष्यों की कोरी प्रशंसाओं पर नहीं।
१३	१६	अपने लिए गुणी मित्रों कौ ही चुनिए ताकि वे धोखेवाज न निकले।
१४	१५	किसी बात में हस्तक्षेप करने के पूर्व अपने आधार को ठीक बनाइए।
१५	१४	वह जो पार्थिव राजाओं पर शासन करता है और राष्ट्रों को अपने शस्त्रों की यमधार से भयभीत कर पाता है शीघ्र ही उसका अंत होगा।
१६	१३	वह पर्याप्त धन एवं ज्ञान का अर्जन करके लौटेगा।

उत्तर

ल

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	१२	आपके प्रेमी का स्नेह मुख्यतया आप ही पर निर्भर है ।
१८	११	वैवाहिक आनन्द की सबसे बड़ी व मजबूत कड़ी है पारस्परिक सहिष्णुता ।
१९	१०	अपने बच्चों को सभी प्रकार की शिक्षा देने में न चूकें, निश्चय ही वे अन्त में लाभदायक सिद्ध होंगे ।
२०	९	हो सकता है कि आरम्भ में आप दुर्दिन के शिकार हों किन्तु अन्त में सुख प्राप्त होगा ।
२१	८	आपके अब अच्छे दिन आएंगे ।
२२	७	काफी परिवर्तनों का योग है किन्तु भावी जीवन पर उसका कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा ।
२३	६	आपके निंदक आपके पीछे पड़े हैं किन्तु आघात पहुँचाने के प्रयत्न में वे स्वयं ही समाप्त हो जाएंगे ।
२४	५	आपका पति उच्च स्थान को प्राप्त करेगा ।
२५	४	जिस बीमारी से रोगी ग्रस्त है वह शीघ्र ही समाप्त हो जाएगी ।
२६	३	अपनी प्रेयसी (प्रेमिका) के स्नेह में आप अपने स्थान की आशा रख सकते हैं ।
२७	२	आपकी यात्रा समृद्धिकारक होगी ।
२८	१	यदि आप अपने उद्यम से अपने खेत को जोते तो आपको पारितोषिक के रूप में कोष मिलेगा ।
२९	३२	ऐसे व्यापार को न चुने जो आपके समय की विलासिता व झक पर निर्भर है ।
३०	३१	आप ईर्षा के विषय होंगे पर शत्रुओं को भी आपके गुणों की प्रशंसा करनी पड़ेंगी ।
३१	३०	आपके उत्सुक आकांक्षाओं के उद्देश्य अच्छे हैं, वे आपके लिए हितकर हैं ।
३२	२९	जिस प्रकार पेड़ पर गुलाब के फूल खिलते हैं उसी प्रकार आपको सुन्दर लड़के एवं लड़कियां होंगी ।

ब

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	उत्तर
१	२९	आपका विवाह ऐसे व्यक्ति से होगा जिसके साथ आपको काफी सुख मिलेगा।
२	२८	अन्ततोगत्वा बंदी मुक्त होगा एवं अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेगा।
३	२७	दीर्घायु होना तथा कामवासनाओं युक्त होना, दोनों भिन्न वस्तुएं हैं अतः दोनों का आनन्द लेने की न सोचें।
४	२६	आपको अपने ही देश में पर्याप्त सम्पत्ति मिलेगी।
५	२५	अपने मुकदमें में सफलता की आशा करना व्यर्थ का इन्तजार है।
६	२४	खेल के खत्म होने के पूर्व कभी मदिरापान न करना।
७	२३	प्रातः उठो, अपना कार्य करो, अपने हिसाब किताब में नियमितता वर्तो तब समृद्धिशाली बनोगे।
८	२२	आपका यश अपने मित्रों से भी अधिक होगा।
९	२१	प्यार स्थापित करने के पूर्व उसकी कीमत पर विचार कर लें।
१०	२०	स्मरण रक्खें, जो सम्पत्ति आपके पास है उसका आपने उपार्जन नहीं किया है अतः समृद्धि के दिनों में निर्धन लोगों को न भूलें।
११	१९	हर व्यक्ति की प्रसन्नता उसकी मैत्री पर निर्भर है।
१२	१८	यदि आपके कार्य उचित एवं न्यायपूर्ण हैं तो निःसन्देह भावीपीढ़ी आपको श्रद्धापूर्वक याद रक्खेगी।
१३	१७	यदि आप अपने मित्र पर विश्वास की आशा रखते हैं तो आप भी उसके प्रति वेसेही बनने का प्रयत्न करें।
१४	१६	यदि अपने चोर को पकड़ा ना हो तो देखें कि उसकी अपने आप की अनुकूल वस्तु मिली है या नहीं।
१५	१५	जिन लोगों ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए बहुत दिनों से यत्न किये हैं वे शीघ्र ही इसे प्राप्त करेंगे।
१६	१४	एक अप्रत्याशित घटना ने उसके आगमन में बाधा डाल दी है।

उत्तर

व

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	१३	प्रेमी ने जो आपसे वायदे किये हैं उनपर कभी संशय न करें।
१८	१२	विवाह का प्रारंभिक जीवन भले ही दुर्भाग्यपूर्ण हो किन्तु अन्त में शांति सुख प्राप्त होगा।
१९	११	अपने बच्चों की उन्नति के लिये उन्हें गुण एवं प्रतिष्ठा के मार्ग पर प्रतिष्ठित कीजिए।
२०	१०	वर्षा के उपरान्त धूप निश्चित है।
२१	९	आपके निर्धन मित्र उदार एवं दानशील होंगे।
२२	८	आप ऐसा भय न करें कि आप भाग्य द्वारा ठुकराए जाएँगे।
२३	७	आप गुणों द्वारा ख्याति अर्जित करें तब निंदा से आपको भय खाने का प्रश्न ही नहीं उठता।
२४	६	आपका पति धनी मानी होगा।
२५	५	रोगी का व्यतिक्रम शीघ्र ही समाप्त होगा।
२६	४	प्रसन्न रहें, आप स्नेह के पात्र होंगे।
२७	३	आपकी यात्रा समृद्धिकारक होगी किन्तु फिर भी आपको विवेक शील सतर्क रहना चाहिए।
२८	२	गुप्त धन का पता लगाने में आप कोई कोरकसर न रक्खें।
२९	१	प्रायः लोग अपने उद्यम से निम्न अवस्था से उच्चस्थान प्राप्त कर लेते हैं, आप भी ऐसा ही करें।
३०	३२	वह व्यक्ति जो आपको चोट पहुँचाने का प्रयत्न कर रहा है उसकी व्यर्थ कोशिश पर ध्यान न दें।
३१	३१	आपका मित्र पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्न है, अभी रुपया गिन रहा है।
३२	३०	आपको तीन सुंदर लड़किया होंगी, उनपर समान निगरानी रक्खें और उचित शिक्षा दें।

उत्तर

श

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	३०	अपनी पत्नी के साथ अच्छा वर्ताव किया गया तो हर मुसीबत में वह आपका साथ देगी ।
२	२९	बंदी अपने शत्रुओं की सजा देखने के लिए जीवित रहेगा ।
३	२८	गुणहीन (अवगुणी) बुढ़ौती की प्रतिष्ठा नहीं होती, क्या आप वृद्ध एवं विवेकी, दोनों न होंगे ।
४	२७	यदि आप बहुत दूर बाहर चले गए हैं तो घर पर आपके सगे संबंधी आपके साथ अन्याय कर बैठेंगे, किन्तु आप रास्ते में रुकें भी नहीं ।
५	२६	जो कुछ भी आपकी आशा हो उसे आप शीघ्र ही प्राप्त करेंगे ।
६	२५	आप खेल तक सीमित रहिए, अपनी बुद्धि तथा ईमानदारी से आप अपने प्रतिद्वंदियों पर विजय प्राप्त करेंगे ।
७	२४	मेहनती व्यक्ति भाग्यशाली कम दिखाई देते हैं ।
८	२३	अपने वर्तमान कार्यों के प्रति सचाई वरतिए, आगे चल कर आपके जिम्मे कितने ही महत्वपूर्ण कार्य पड़ेंगे ।
९	२२	अपने वर्तमान कार्य में पूर्णतया सतर्क रहें ।
१०	२१	आपकी अपनी कमाई ही पैतृक संपत्ति से कितना ही अधिक होगी।
११	२०	दुष्ट लोगों का साथ छोड़ें तब सुखी होंगे ।
१२	१९	यदि आप मानव समाज के सुधारक के रूप में हैं तो भविष्य में आपका नाम प्रगतिवादी के रूप में लिया जायगा ।
१३	१८	जब कभी आप अपने मित्र से सलाह लें तो उससे अपनी अधूरी गाथा न कहें कहीं ऐसा न हो कि अंत में आपको कष्ट मिले ।
१४	१७	काफी धैर्य धरने के उपरान्त आपको माल पुनः मिल जाएगा ।
१५	१६	अत्याचार शीघ्र ही नवीन अधर्म का रूप ले लेगा ।
१६	१५	यात्री अवश्य परन्तु विलंब से लौटेगा ।

उत्तर

श

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	१४	आपकी तथा आपके प्रेयसी की परस्पर कृतज्ञता दोनों को सुख प्रदान करेगी।
१८	१३	इस विवाह से दुःख का भय न करें।
१९	१२	अपने बच्चों को दुश्चरित्र होने से रोकें तब पिता बनकर वे आपके गौरव को बढ़ाएंगे।
२०	११	धन, सुख तथा सम्पत्ति के आगमन से दुःख के बादल हट जाएंगे।
२१	१०	उसका तात्पर्य है कि यदि आप सतर्क न रहेंगे तो खतरा हो सकता है।
२२	९	विवेकशील बनिए और तब आप जीवन के परिवर्तन से वांछित सुख पाएंगे।
२३	८	आपको प्रचुर लोकप्रियता मिलेगी।
२४	७	आपका विवाह एक सम्पन्न व्यक्ति से होगा।
२५	६	रोगी उचित उपचार से स्वस्थ होगा।
२६	५	आपकी प्रेमिका के हृदय में आपके प्रति श्रद्धा की कमी नहीं है।
२७	४	आप कभी भी दुर्दिन के शिकार न होंगे।
२८	३	आपको स्त्री रत्न प्राप्त होगी जो सुख-दुःख में सदैव आपके साथ रहेगी।
२९	२	कभी-कभी फिल्डमार्शल का छोटा डण्डा सिपाही के संगीन के स्थान पर होगा।
३०	१	आपके शत्रु हैं जिन्हें यदि कानून के द्वारा रोका न गया तो वे आपके लिए घातक हो जाएंगे।
३१	३२	आपका मित्र निःसंदेह स्वस्थ है तथा वह आपके बारे में सुनने को उत्सुक हैं।
३२	३१	आपके लड़के-लड़कियाँ आपकी सहायता एवं संरक्षक की अभिलाषा रक्खेंगी।

उत्तर

ष

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	३१	एक सुन्दर, उत्तम स्वभाव का जीवनसाथी, धन से भरा थैला तथा एक गाड़ी का योग है।
२	३०	बंदी मुक्त होगा।
३	२९	वृद्धावस्था तक जीवित रहने के लिए समय से पूर्व ही मृत्यु देनेवाले जो कारण हों उनसे दूर रहें।
४	२८	जो धन आपने बाहर अर्जित किया हो उसे घर पर न्याय तथा उदारता के साथ बांट दें।
५	२७	आपकी आशाएं व्यर्थ हैं, न्याय आप से दूर है, और भाग्य आपको ठुकरा रहा है।
६	२६	किसी जूए के ऋण की अदायगी के लिए कोई वस्तु गिरवीं न रक्खें।
७	२५	एक एक पैसे की बचत आप की आय है, बुद्धिमान के लिए इशारा काफी है।
८	२४	उस सीढ़ी को न गिरादें जिसने आपको उठाया हो।
९	२३	विवेक और न्याय से यदि आप काम लें तो आपके समस्त कार्य सफल होंगे।
१०	२२	इसमें कोई सन्देह नहीं कि आप अपने ही उद्योग से पर्याप्त वस्तु प्राप्त कर लेगें।
११	२१	आपके दुर्दिन शीघ्र ही समाप्त होंगे।
१२	२०	ईश्वर ने जो आपको शक्ति प्रदान की है उसका दुरुपयोग न करें तब आपका नाम भावी पीढ़ी में आदर से लिया जावेगा।
१३	१९	निःस्वार्थ मैत्री का एक भी कार्य आपको सहस्र त्रुटियों से दूर कर देगा।
१४	१८	आपके लिए अपनी हानि को धैर्य के साथ सहजाना अपेक्षित है।
१५	१७	उत्तर दिशा के बाज के पंख कटे एवं चंगुल धार हीन होंगे।
१६	१६	यात्री शीघ्र ही लौटेगा।

उत्तर

ष

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	१५	अपने हृदय से पूछिए कि क्या आपको अविवाहित रहने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए थी ।
१८	१४	वह विवाह जो लोभ पर आश्रित हो, सुखद नहीं होता है ।
१९	१३	संयमी व्यक्ति की मृत्यु हो जाने पर उसकी संतान प्रसन्न तथा समृद्धिशाली रहती है ।
२०	१२	दुर्भाग्य को अपने ऊपर हावी न होने दें, अच्छे दिनों के लिए अपने को तैयार रक्खें ।
२१	११	इसका तात्पर्य यह है कि वह कार्य जिसे आप स्वयं कर सकते हों दूसरों से करवाने की कोशिश न करें ।
२२	१०	पुरुष जिसका जन्म औरत के ही गर्भ से हुआ है वह दुःख पहुंचाने के लिए ही जन्म धारण करता है जैसे चिनगारी ऊपर ही उड़ती है ।
२३	९	हर व्यक्ति के बारे में समाचार जानने के प्रयत्न में व्यर्थ अपना समय न गवायें ।
२४	८	आपके पति का उत्तम स्वभाव आपकी सहायता करेगा ।
२५	७	अपने स्वास्थ की रक्षा के लिए सभी संभव उपाय वर्तें ।
२६	६	आपका प्रियतम छिपे रूप से आपकी पूजा कर रहा है ।
२७	५	विवेक पूर्ण कार्य करें तब आपकी जीवन यात्रा सुरक्षित रहेगी ।
२८	४	आप गुप्त कोष का पता लगाने में असमर्थ रहेंगे ।
२९	३	अत्यन्त उच्चस्थान पर आसीन होने के लिए भरसक प्रयत्न करें ।
३०	२	आपके शत्रु आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकते ।
३१	१	आपके मित्र अच्छी तरह है और वे संतोष एवं सुख का समय बिता रहे हैं ।
३२	३२	आपको एक पुत्र होगा जो आपकी आशाओं को छिन्न-भिन्न नहीं करेगा ।

उत्तर

स

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१	३२	आपके जीवन साथी के पास घर और भूमि होगी ।
२	३१	वंदी शीघ्र ही मुक्त होगा ।
३	३०	संयम और परिश्रम से काम करें तो आपको किसी की सहायता की आवश्यकता प्रतीत नहीं होगी क्योंकि स्वास्थ ही आपका सच्चा साथी होगा ।
४	२९	नि:संदेह आपकी यात्रा समृद्धिशाली होगी ।
५	२८	न तो भेड़िया अपने शिकार को छोड़ता है और न लोमड़ी अपने धन को तो फिर आप कैसे कानून के चंगुल से अपने माल को छिपाने की सोचते हैं ।
६	२७	कपटपूर्ण कार्य से आप सावधान रहें ।
७	२६	अपने उद्यमी पड़ोसी से ईर्षा मत कीजिए अपितु उसके दृष्टान्त का अनुसरण कीजिए ।
८	२५	आपके अच्छे कार्य आपको प्रतिष्ठा के पद पर आसीन कर देंगे ।
९	२४	बाहरी दिखावे पर न भूलें ।
१०	२३	जब आप समृद्धि अवस्था में हों तो गर्व से उन्मत्त न हो जायं ।
११	२२	सुख दुःख संग ही लगा है अतः छोटी मोटी बातों के चलते अपने को दुःखी न बनाएं ।
१२	२१	कहीं यश प्राप्त करने का लोभ आपको निर्दयतापूर्वक कार्य के लिए उद्यत न कर दे ।
१३	२०	कहीं आपके इष्ट मित्र आप पर इतने हावी न हो जायं कि आपके बीच अविश्वास और फूट पैदा हो जाए ।
१४	१९	जब आपने अपना माल पुनः प्राप्त कर लिया हो तो भविष्य में इसके सम्बन्ध में सतर्क हो जाएं ।
१५	१८	कुछ समय के लिए इस पृथ्वी पर क्रांति का तूफान उठेगा किन्तु अन्त में शांति और वैभव का साम्राज्य समस्त राष्ट्रों में फैल जायगा ।
१६	१७	यात्री प्रसन्नतापूर्वक लौटेगा ।

उत्तर

स

प्रश्नसंख्या	उत्तरसंख्या	
१७	१६	यदि वह व्यक्ति जिस पर आप निर्भर हों, बदल जाए तो इसे विशेष ध्यान में न लाएं।
१८	१५	अपने जीवनसाथी से धन सम्पत्ति की अपेक्षा गुण और विवेक की विशेष आशा कीजिए, तब आपका वैवाहिक जीवन सुखद होगा।
१९	१४	खुशी होने के लिए गुणी होना आवश्यक है, इसकी शिक्षा अपने बच्चों को दीजिए उससे वे लाभान्वित होंगे।
२०	१३	संभव है भावी (आगामी) दिनों में भाग्य आपका साथ न दे अतः आप सतर्क रहिए।
२१	१२	यदि आप विलम्ब करते हैं तो उसमें बुराई व खोट उत्पन्न होगा।
२२	११	आपकी आंखों के सामने बहुत से दृश्य आएंगे।
२३	१०	आपके सुयश में साधारण बट्टा लगेगा।
२४	९	आपका विवाह एक प्रतिष्ठित व्यक्ति से होगा।
२५	८	जहां जीवन है वहां आशा भी है, इस व्यतिक्रम को समाप्त करने में कसर न रखें।
२६	७	आपको अपने प्रेम का उचित प्रतिफल मिलेगा।
२७	६	यदि आप अपने गृह से दूर जाते हैं तो आपको कोई हानि पहुँचाएगा।
२८	५	इस पृथ्वी के अन्तस्थल में छिपाधन आपकी आँखों से ओझल रहेगा।
२९	४	अपने दर्वाजे पर आप लिख डालें। "यहाँ कांट-छांट की जाती है"।
३०	३	आपके हैं, पर वे आपका कुछ बिगाड़ नहीं सकते।
३१	२	जिसके बारे में आप चिंतित हैं वे स्वस्थ व कुशल हैं, अब वे अच्छी वार्ता कर रहे हैं।
३२	१	आपकी पत्नी आपको कई संतान देगी और उनमें वह वैसे ही चमकते तारों के बीच चन्द्रमा रहेगी।

त्रिमूर्ति रमल

(अर्थात् रमल के अंतिम तीन स्वरूपों से प्रश्नों का उत्तर)

रमल विद्या इस्लामी प्रदेशों की है इसलिए इसमें सभी प्रक्रिया तथा स्वरूप तथा गणना दाहिने से वायें ओर होती है। इसमें रमल के सभी अंक शून्याकार के होते हैं। लिखने में शून्यों की संख्या चाहे जितनी हो उनका योग यदि दो से विभाजित हो जाय और शेष न बचे वहाँ सम संख्यक दो शून्य ०० लिख दिया जाता है और यदि दो से विभाजित होकर शेष एक बचे तो उसे विषम मानकर उसके लिए एक ही शून्य ० लिखा जाता है। सो सभी शून्यों की संख्या दो या एक शून्य में स्थिर कर दी जाती है। यहाँ प्रत्येक वर्ग वा स्वरूपों में चार पंक्तियों में शून्य लिखा जाता है। ऊपर से नीचे की ओर चार पंक्तियों का अर्थ चार तत्व है। ये लोग पांचवां आकाश तत्व को नहीं मानते। इन्हीं चार तत्वों (पृथ्वी, जल, वायु तथा अग्नि) के सम व विषम भाव (मेल) के आधार पर शुभ-अशुभ की कल्पना की गई है।

इस त्रिमूर्ति रमल में प्रथमतः चार स्वरूपों का निर्माण कर तब उसका विस्तार १५ वर्गों में किया जाता है। इन पन्द्रह स्वरूपों में से अंतिम तीन स्वरूपों १३, १४, १५ के समन्वय से फलादेश किया जाता है।

इस त्रिमूर्ति प्रणाली द्वारा केवल १० दस प्रश्नों का ही उत्तर प्राप्त होता है। प्रश्नकर्ता के जब मन में निम्नलिखित दश प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न की जिज्ञासा हो तो उसे स्वस्थ चित्त व एकाग्रमन से श्रद्धाभाव से ईश स्मरण कर एक कोरे श्वेत कागज पर स्पष्ट शून्याकार अंकों में चार पंक्तियों में स्पष्ट रूप से अंकित कर देना चाहिए। जिस पंक्ति में जहाँ लेखनी रुक जाए वह पंक्ति समाप्त कर फिर नीचे दूसरी पंक्ति में शून्य लिखते जाना चाहिए। इस प्रकार चार पंक्तियों का नियमानुसार एक स्वरूप बनेगा। इसी प्रकार चार-चार पंक्तियों की चार श्रेणी होगी अर्थात् १६ पंक्तियों में ४ स्वरूप बनेंगे। प्रत्येक पंक्ति में १२ शून्य से कम के शून्यांक न हों, इस बात का ध्यान रहे। इसके ऊपर चाहे जितना शून्य स्वतः लिख जाएँ।

दश प्रश्नों के विषय (श्रेणी)

(१) आयु (जीवन) संबंधी। (६) प्रस्तुत गर्भ संबंधी (लड़का या लड़की)
(२) आय वा धन संबंधी। (७) स्वास्थ व रोग संबंधी।
(३) प्रतिष्ठा संबंधी। (८) कारावास संबंधी।
(४) व्यापार संबंधी। (९) यात्रा संबंधी।
(५) विवाह संबंधी। (१०) खोई या चुराई गई वस्तु संबंधी।

उदाहरण के लिए यदि किसी ने प्रश्न संख्या ९ के अंतरगत जिज्ञासा की कि उसकी प्रस्तावित यात्रा सफल होगी या नहीं, सुखद होगी वा दुःखद। इसके लिए प्रथमतः चार-चार पंक्तियों के चार स्वरूप बनाने पड़ेंगे।

जिज्ञासु ने शून्य लिखना आरंभ किया।

(१) प्रथम वर्ग के स्वरूप के लिए चार पंक्तियां

	योग		स्वरूप
००००००००००००००००००००	२०	सम	००
०००००००००००००	१३	विषम	०
००००००००००००००००	१६	सम	००
०००००००००००००	१३	विषम	०

(२) द्वितीय स्वरूप निर्माण के लिए चार पक्तियां

	योग		स्वरूप
००००००००००००००००००	१८	सम	००
०००००००००००००००	१५	विषम	०
०००००००००००००००००००	१९	विषम	०
०००००००००००००००	१५	विषम	०

(३) तृतीय स्वरूप के लिए

	योग		स्वरूप
०००००००००००००००००	१७	विषम	०
०००००००००००००००	१५	विषम	०
००००००००००००००००	१६	सम	००
०००००००००००००००००	१७	विषम	०

(४ , चतुर्थ स्वरूप के लिए

	योग		स्वरूप
००००००००००००००००००००	२०	सम	००
००००००००००००००००००	१८	सम	००
००००००००००००००००	१६	सम	००
००००००००००००००	१४	सम	००

व्युत्क्रम से ४ स्वरूपों को दाहिने से बाईं ओर लिखा

(४)	(३)	(२)	(१)
००	०	००	००
००	०	०	०
००	००	०	००
००	०	०	०

अब क्रम से प्रथम द्वितीय तृतीय चतुर्थ स्वरूपों की प्रथम पंक्ति के चार अङ्कों को खड़े पट इसी प्रकार द्वितीय पंक्तियों के तृतीय पंक्तियों तथा चतुर्थ पंक्तियों के शून्यों को खड़े बल लिखा।

(८)	(७)	(६)	(५)
०	००	०	००
०	०	०	००
०	००	०	०
००	००	००	००

उपरोक्त दोनों का एकीकरण

(८)	(७)	(६)	(५)	(४)	(३)	(२)	(१)
०	००	०	००	००	०	००	००
०	०	०	००	००	०	०	०
०	००	०	०	००	००	०	००
००	००	००	००	००	०	०	०

अब ९, १०, ११ और १२ हवां स्वरूप बनाना है

(९) नववाँ स्वरूप

		योग	स्वरूप	
१+२ स्वरूपों की प्रथम पंक्ति का योग	=००+००	सम	००	यह नववां
१+२ " द्वितीय "	= ०+०	सम	००	स्वरूप
१+२ " तृतीय "	=००+०	विषम	०	बना।
१+२ " चतुर्थ "	= ०+०	सम	००	

(१०) दसवाँ स्वरूप

			स्वरूप
३+४ स्वरूपों की प्रथम पंक्ति का योग	०+००	विषम	०
३+४ " द्वितीय "	०+००	विषम	०
३+४ " तृतीय "	००+००	सम	००
३+४ " चतुर्थ "	०+००	विषम	०

(११) ग्यारहवां स्वरूप

			स्वरूप
५+६ स्वरूपों की प्रथम पंक्ति का योग	००+०	विषम	०
५+६ " द्वितीय "	००+०	विषम	०
५+६ " तृतीय "	०+०	सम	००
५+६ " चतुर्थ "	००+००	सम	००

(१२) बारहवां स्वरूप

			स्वरूप
७+८ स्वरूपों की प्रथम पंक्ति का योग	००+ ०	विषम	०
७+८ ,, द्वितीय ,, ,,	०+ ०	सम	००
७+८ ,, तृतीय ,, ,,	००+ ०	विषम	०
७+८ ,, चतुर्थ ,, ,,	००+००	सम	००

९, १०, ११, १२ स्वरूपों का एकीकरण

(१२)	(११)	(१०)	(९)
०	०	०	००
००	०	०	००
०	००	००	०
००	००	०	००

(१३) तेरहवां स्वरूप

		स्वरूप
९ + १० स्वरूपों की प्रथम पंक्ति का योग=०० + ०	असम	०
६ + १० ,, द्वितीय ,, ,, =०० + ०	असम	०
९ + १० ,, तृतीय ,, ,, =० + ००	असम	०
९ + १० ,, चतुर्थ ,, ,, =०० + ०	असम	०

(१४) चौदहवां स्वरूप

		स्वरूप
११ + १२ स्वरूपों की प्रथम पंक्ति का योग= ० + ०	सम	००
११ + १२ ,, ,, द्वितीय ,, ,, = ० + ००	असम	०
११ + १२ ,, ,: तृतीय ,, ,, =०० + ०	असम	०
११ + १२ ,, ,, चतुर्थ ,, ,, =०० + ००	सम	००

१५ पंद्रहवां स्वरूप

		स्वरूप
१३ + १४ स्वरूपों की पहली पंक्ति का योग=० + ००	असम	०
१३ + १४ स्वरूपों की द्वितीय ,, ,, =० + ०	सम	००
१२ + १४ ,, ,, तृतीय ,, ,, =० + ०	सम	००
१३ + १४ ,, ,: चतुर्थ ,, ,, =० + ००	असम	०

१३, १४, १५ स्वरूपों का एकीकरण

(१५)	(१४)	(१३)
०	००	०
००	०	०
००	०	०
०	००	०

इन तीनों १३, १४, १५ स्वरूपों में से जिनके चारो शून्यांक सम हों या असम उसे सबसे नीचे रखा जाता है, उपरान्त दाहिने क्रम से ऊपर दो स्वरूपों को रखा जाता है।

(१४)	(१५)	(१३)
o o	o	o
o	o o	o
o	o o	o
o o	o	o

फलादेश के लिए अंतिम तीन स्वरूप

o o	o	o
o	o o	o
o	o o	o
o o	o	o

इसका फलादेश आगे वर्णित फलादेश प्रकरण में स्वरूपानुसार अपने प्रश्न की श्रेणी में देखना चाहिए। स्वरूप सत्ताइसवां है। प्रश्न नववां यात्रा संबंधी था। सातवां उत्तर 'भयावह यात्रा होगी' अर्थात् इस यात्रा में बड़ी परेशानी होगी।

अन्य उदाहरण

प्रश्न है कि हम जिससे विवाह करने जा रहे हैं या करना चाहते हैं, संबंध कैसा रहेगा ?

यह प्रश्न प्रश्नश्रेणी में संख्या ५ है।

१६ स्थानों पर शून्य लिखा और उसे चार स्वरूपों में बदला।

उदाहरणार्थ नीचे है—

(४)	(३)	(२)	(१)
o	o o	o o	o
o	o o	o	o
o o	o	o o	o o
o	o	o	o

पिछले उदाहरण की रीति से अन्य चार स्वरूपों में बदला

(८)	(७)	(६)	(५)
o	o o	o	o
o	o o	o	o o
o	o	o o	o o
o o	o o	o	o

क्रम बद्ध क्रिया

(८)	(७)	(६)	(५)	(४)	(३)	(२)	(१)
o	oo	o	o	o	oo	oo	o
o	oo	o	oo	o	oo	o	o
o	o	oo	oo	oo	o	oo	oo
oo	oo	o	o	o	o	o	o

इनसे अन्य ४ स्वरूप संख्या ९, १०, ११, १२ नियमानुसार बनाए

(१२)	(११)	(१०)	(९)
o	oo	o	o
o	o	o	oo
oo	oo	o	oo
oo	oo	o	o

इनसे अन्य दो रूप बने। १३ तथा १४

(१४)	(१३)
o	oo
oo	o
oo	o
oo	o

अंतिम १५ वां रूप

(१५)
o
o
o
o

फलादेश में

o oo oo oo	oo o o o	यह स्वरूप संख्या ४ है । प्रश्न संख्या ५ है । उत्तर है–संबंध अच्छा रहेगा ।
o o o o		

त्रिमूर्ति रमल के विभिन्न ३२ स्वरूप तथा उनका फलादेश

	(१)	(२)	(३)	(४)
प्रश्न संख्या	oo o oo o oo oo oo oo oo oo oo oo	oo o oo o oo o oo o o o o o	o o o o o o o o oo oo oo oo	o oo oo o oo o oo o o o o o
	उत्तर	उत्तर	उत्तर	उत्तर
(१)	कुछ लंबी आयु	साधारण	अल्पायु	लंबी
(२)	साधारण स्थिति	हानी	कम	वढ़ेगी
(३)	औसतन अच्छी	साधारण	अच्छी	अच्छी
(४)	उन्नतिशील	अशुभ	भाग्यशाली	अच्छा
(५)	अच्छा संबंध	अच्छा	अच्छा	अच्छा
(६)	एक कन्या होगी	पुत्र	पुत्री	पुत्र
(७)	रोग भयंकर है	स्वास्थ अच्छा	भयंकर	स्वस्थता
(८)	छूटेंगे	जल्दी छुटकारा	लंबी	देर में
(९)	जल की यात्रा शुभ	अच्छी	समुद्र यात्रा से लाभ	शुभ
(१०)	मिल जाएगी	नहीं मिलेगी	नहीं मिलेगी	मिल जाएगी ।

	(५)	(६)	(७)	(११)
	oo oo oo oo o o oo o oo oo oo oo	oo o oo ● o oo o oo o o o o	oo oo oo oo o o oo oo oo oo oo oo	oo oo oo oo o oo oo o oo oo oo oo
	उत्तर	**उत्तर**	**उत्तर**	**उत्तर**
(१)	अच्छी	मध्यम	साधारण	अल्पायु
(२)	भाग्यवृद्धि	मध्यम	मध्यम	अभाग्य
(३)	साधारण	अच्छा	मध्यम	अपयश
(४)	अच्छा	साधारण	मध्यम	असफल
(५)	अच्छा	अच्छा	विपरीत	परेशानी का
(६)	कन्या	लड़का	कन्या	गर्भपात
(७)	स्वास्थ	स्वस्थ	भयानक	मृत्यु
(८)	छूट जाएगा	छूटेगा	छूटेगा	भयावह
(९)	अच्छी रहेगी	शीघ्रवापसी	जलयात्रा सफल	अशुभ
(१०)	मिल जाएगी	मिल जाएगी	कुछ अंश मिलेगा	नहीं मिलेगी
	(८)	(९)	(१०)	(१२)
प्रश्न संख्या	oo o oo o o oo oo o o o o o	oo oo o o oo oo oo oo oo oo oo oo	oo o o oo oo o oo o o o o o	oo o oo o oo o o oo o o o o

	उत्तर	उत्तर	उत्तर	उत्तर
(१)	अल्पायु	अति अल्प	मध्यम	खराब
(२)	अभाग्य	अभाग्य	साधारण	बहुत खराब
(३)	अप्रतिष्ठा	बहुत खराब	मध्यम	बहुत खराब
(४)	खराब	अशुभ	विपरीत	अभाग्य
(५)	अभागी	खराब	भाग्यवृद्धि	दुःखद
(६)	कन्या	कन्या	कन्या	गर्भपात
(७)	मृत्यु	कष्टप्रद	लम्बी बीमारी	असाध्य
(८)	कष्टप्रद	मृत्यु	शीघ्र छुटकारा	लंबी जेल
(९)	साधारण	लुट जाओगे	मंदगति	अशुभ
(१०)	नहीं मिलेगी	नहीं मिलेगी	मिलेगी	नहीं मिलेगी

	(१३)	(१४)	(१५)	(१६)
प्रश्न संख्या	o o oo oo oo oo oo oo oo oo oo oo	o o oo oo o o o o oo oo oo oo	o oo oo o o oo o oo o o o o	o oo o oo oo o o oo o o o o

	उत्तर	उत्तर	उत्तर	उत्तर
(१)	दीर्घायुः	दीर्घायु	मध्य	अल्प
(२)	साधारण	भाग्यशील	निम्न	अभाग्य
(३)	मध्यम	अच्छा	अप्रतिष्ठा	साधारण
(४)	अशुभ	बहुत अच्छा	खराब	साधारण
(५)	अच्छा	शुभ	निकृष्ट	विपरीत
(६)	पुत्र	लड़का	शिशु की मृत्यु	पुत्र
(७)	भयंकर	भयंकर	सांघातिक	मृत्यु
(८)	छूटेगा	छूटेगा	छूटेगा	शीघ्र छूट
(९)	अच्छी	शुभ	अंत खराब	साधारण
(१०)	नहीं मिलेगी	अंश मिलेगी	नहीं मिलेगी	कुछ मिलेगी

प्रश्न संख्या	(१७)	(१८)	(१९)	(२०)
	o o o o oo o o o oo oo oo oo	oo oo o o o o o o oo oo oo oo	oo o o oo o oo o oo o o o o	o oo o oo o oo oo o o o o o
	उत्तर	उत्तर	उत्तर	उत्तर
(१)	अल्पायु	दीर्घायु	दीर्घायु	अल्पायु
(२)	अभाग्य	बहुधन	बहुधन	नहीं
(३)	अप्रतिष्ठा	अत्यधिक प्रतिष्ठा	अच्छी प्रतिष्ठा	नहीं
(४)	खराब	बहुत अच्छा	उन्नति	साधारण
(५)	अभाग्य	अच्छा	मध्यम	बहुत खराब
(६)	कन्या	पुत्र	पुत्र	कन्या
(७)	शीघ्र देहान्त	भयानक	स्वास्थ	भयावह
(८)	शीघ्र छूट	छूटेगा	छूटेगा	भयावह
(९)	आपदा	अच्छी	अच्छी	असफल
(१०)	नहीं मिलेगी	मिलेगी	नहीं मिलेगी	नहीं मिलेगी

प्रश्न संख्या	(२१)	(२२)	(२३)	(२४)
	o o o o o o oo oo oo oo oo oo	oo oo o o oo oo o o oo oo oo oo	oo o o oo oo o o oo o o o o	o oo oo o o oo oo o o o o o

	उत्तर	उत्तर	उत्तर	उत्तर
(१)	अल्पायु	दीर्घायु	मध्यमायु	अच्छी
(२)	अभाग्य	अति भाग्यशाली	खराब	अच्छा
(३)	खराब	अच्छी	खराब	साधारण
(४)	खराब	भाग्यवृद्धि	खराब	साधारण
(५)	अभाग्य	भाग्यशाली	अशुभ	साधारण
(६)	कन्या	कन्या	कन्या	गर्भपात
(७)	मृत्यु	स्वास्थ	स्वास्थ	अंत में स्वस्थ
(८)	भयावह	छुटकारा	छूटेगा	लंबी
(९)	हानि	अच्छी	मध्यम	अच्छी
(१०)	नहीं मिलेगी	मिलेगी	नहीं मिलेगी	नहीं मिलेगी

	(२५)	(२६)	(२७)	(२८)
प्रश्न संख्या	o o oo oo o o oo oo oo oo oo oo	oo oo o o o o oo oo oo oo oo oo	oo o o oo o oo oo o o o o o	o oo oo o oo o o oo o o o o

	उत्तर	उत्तर	उत्तर	उत्तर
(१)	अल्पायु	मध्यमायु	मध्यमायु	मध्यमायु
(२)	अभाग्य	साधारण	साधारण	मध्यम
(३)	अप्रतिष्ठा	अपयश	अप्रतिष्ठा	मध्यम
(४)	खराब	साधारण	बिगड़ जायगा	अच्छी
(५)	अशुभ	साधारण	साधारण	अच्छी
(६)	संशयात्मक	पुत्र	कन्या	कन्या
(७)	भयावह	मृत्यु	भयावह	भयानक
(८)	छूटना कठिन	कठिन	लंबी बंदी	देर से छूट
(९)	अभागी	जलयात्रा सुखद	खराब	बुरी
(१०)	नहीं मिलेगी	नहीं मिलेगी	मिल जायगी	नहीं मिलेगी

	(२९)	(३०)	(३१)	(३२)
	o o	o o	o oo	o oo
	oo oo	o o	o oo	o oo
	oo oo	oo oo	oo o	o oo
	o o	oo oo	oo o	o oo
	oo	oo	o	o
	oo	oo	o	o
	oo	oo	o	o
	oo	oo	o	o
	उत्तर	उत्तर	उत्तर	उत्तर
(१)	अल्पायु	साधारण	अच्छी	मध्यमायु
(२)	खराब	खराब	भाग्यवृद्धि	बुरा
(३)	खराब	अच्छी	शक्तिशाली	मध्यम
(४)	अभाग्य	बहुत साधारण	अच्छी	खराब
(५)	खराब	साधारण	अच्छा	अच्छा
(६)	कन्या	पुत्र	पुत्र	पुत्र
(७)	कष्टप्रद	स्वास्थ	स्वास्थ	स्वास्थ
(८)	लंबी बंदी	भयानक	छूटेगा	शीघ्र छूट
(९)	कठिन	अच्छी	अच्छी	अच्छी
(१०)	नहीं मिलेगी	कुछ अंश मिलेगा	मिलेगी	नहीं मिलेगी

नोट–इस त्रिमूर्ति रमल का संकलन हमने एक प्राचीन जीर्ण शीर्ण ग्रन्थ से किया है जिसमें स्वरूप बनाने की विधि का कुछ अंश फट गया था। हमने अनुसंधान करके उसे पूरा किया। उस पुस्तक में लिखा है कि यह प्रक्रिया कहीं उपलब्ध नहीं है। लंदन की लाइब्रेरी से प्राप्त हुई। इसलिए यह एक बहुमूल्य निधि है। इसे हमने रमलप्रश्नोत्तरी के इस द्वितीय संस्करण में दे दिया है।

———

श्री:

मायावर्ग प्रश्नोत्तरी

१६ कोष्ठक का ३४ योगांक का प्रामाणिक मायावर्ग (तन्त्र)

८	११	१४	१
१३	२	७	१२
३	१६	९	६
१०	५	४	१५

इस मायावर्ग की विशेषता यह है कि जिस भी तरफ से अङ्क लिए जाएँ उन चारों अङ्कों का योग ३४ होगा। चाहे सीधे, पट्ट या तिरछे।

नीचे को—८+१३+३+१०=३४; ११+२+१६+५=३४;
१४+७+९+४=३४; १+१२+६+१५=३४;

बायें—८+११+१४+१=३४; १३+२+७+१२=३४;
३+१६+९+६=३४; १०+५+४+१५=३४

आड़े—८+२+९+१५=३४; १+७+१६+१०=३४।

तन्त्रों में ऐसा उल्लेख है कि इस तंत्र को धातु (चांदी) में खुदवाकर, या शुद्ध कागज़ पर अनारकली की लेखनी से लालचंदन से लिखकर चांदी में तावीज बनाकर पहनने से धारक को धन-धान्य समृद्धि होती है और महामारी आदि रोगो से बचत। प्रश्नोत्तर के लिए इस यन्त्र का प्रयोग यहाँ किया गया है।

प्रश्नकर्ता स्वस्थचित्त व मन से नीचे लिखे प्रश्नों में से मनोभिलषित प्रश्न मन में धार कर अपनी तर्जनी अंगुली (अंगूठे के बगल वाली) को ऊपर लिखे मायावर्ग के किसी भी कोष्ठक में रख दे। उस कोष्ठक के अंक के अनुसार उसका उत्तर होगा। यदि उत्तर अनिष्टकारी प्राप्त हो तो उस अनिष्ट को दूर करने के उपाय भी अन्यत्र दिए गए हैं। उपाय करने से अनिष्ट का अरिष्ट दूर हो जाता है। नहीं बनने वाले काम की बनने की संभावना हो जा सकती है अथवा अनिष्ट मात्र दूर हो जाता है।

प्रश्नावली

प्रश्नसंख्या	
१	मुझे अपना प्रस्तावित नए व्यापार (व्यवसाय या काम) में लाभ होगा या हानि ?
२	जो वस्तु मैं अभी खरीदना चाहता हूँ वह लाभप्रद होगी या हानिकर।
३	मैं अपने जिस व्यापार या काम में सांझीदार बनाने जा रहा हूँ उस व्यक्ति से मुझे लाभ होगा या हानि।
४	मुझे अमुक कार्य के लिए कर्ज मिलेगा या नहीं।
५	मैं अभी जिसे कर्ज देना चाहता हूँ, दूँ या नहीं।
६	मेरी यह नौकरी कैसी रहेगी ?
७	मेरा स्थानान्तरण कब और कैसा रहेगा।
८	मैं जिस विवाद पद (मुकदमे) को दायर करने जा रहा हूँ या दायर कर दिया है उसमें मेरी विजय होगी या पराजय।
९	न्यायालय में व सेवा (नौकरी) में मुझपर जो आरोप लगे हैं उससे बरी होऊँगा या नहीं।
१०	मैं जिस जायदाद को खरीदने जा रहा हूँ वह मेरे लिए कैसी रहेगी।
११	मेरी यह यात्रा कैसी रहेगी।
१२	मेरा अमुक मित्र विश्वसनीय है या नहीं।
१३	प्रस्तावित विवाह मेरे लिए कैसा रहेगा।
१४	अमुक रोगी रोग से मुक्त होगा या नहीं।
१५	अमुक व्यक्ति जो चला गया है, लौटेगा या नहीं।
१६	मुझे उत्तराधिकारत्व से वह जायदाद मिलेगी या नहीं।
१७	मेरी संतान मुझे मानेगी या नहीं।
१८	अमुक के बारे में जो खबर सुन रहा हूँ सत्य है या नहीं।
१९	मेरा वार्धक्य जीवन (बुढापा) कैसे बीतेगा।
२०	मुझे वर्तमान कष्ट से छुटकारा मिलेगा या नहीं।

मायावर्ग के उत्तरांक

प्रश्नसंख्या	उत्तरांक १
१	यह व्यापार अभी लाभदायक नहीं होगा ।
२	अधिक लाभ की आशा न करें ।
३	सतर्क रहेंगे तो लाभ रहेगा ।
४	उद्योग धंधे के लिए सरकारी मदद लें ।
५	पूरी अदायगी में संदेह है ।
६	नौकरी साधारण है ।
७	स्थानान्तरण में देर है ।
८	बहुत पैरवी से जीत होगी ।
९	आरोप जटिल है, श्रम व पैरवी से छूटेगा ।
१०	जायदाद ठीक नहीं है ।
११	यात्रा न करें, असफल रहेगी ।
१२	वह विश्वसनीय नहीं है ।
१३	उसके ग्रह अनुकूल नहीं हैं ।
१४	रोग असाध्य हो रहा है । प्रयत्न रखे ।
१५	लौटने की कम संभावना है ।
१६	मिलने में कठिनाई है ।
१७	कोई मानेगी कोई नहीं ।
१८	समाचार में तथ्य नहीं ।
१९	अपने स्वास्थ का ध्यान रखें ।
२०	छुटकारा मिलना कठिन है पर उपाय करें ।

उत्तरांक २

प्रश्नसंख्या	
१	देर में लाभ होगा।
२	लाभ की आशा रक्खें।
३	हिसाब लेते रहें, अन्यथा हानि।
४	कठिनाई से मिलेगा।
५	अदायगी देर से होगी।
६	नौकरी कर लें।
७	स्थानान्तरण अभी नहीं होगा।
८	विजय कठिनाई से होगी।
९	बरी होने में समय लगेगा।
१०	परख कर लें।
११	छात्र मुहूर्त देख कर करें लाभ होगा।
१२	विश्वसनीय होना सदिग्ध है।
१३	ग्रह मेंलापक करके देखें तभी करें।
१४	रोग जटिल है, लम्बा चलेगा।
१५	लौटने में काफी देर है।
१६	विवादस्पद है।
१७	छोटी संतान मानेगी।
१८	समाचार अंशतः ठीक है।
१९	औषधि का सहारा लें।
२०	छुटकारा मिलना उपायसाध्य है। गायत्री का जाप करें।

उत्तरांक ३

प्रश्नसंख्या	
१	देर से लाभप्रद होगा।
२	ठहर कर लें।
३	पूरा भरोसा न करें।
४	मित्रवर्ग से संपर्क करें।
५	न दें तो अच्छा है।
६	अच्छी रहेगी।
७	देर से होगा।
८	कठिनाई से विजय होगी।
९	भरपूर पैरवी करें, छूट जाएगे।
१०	आपके लिए शुभ है।
११	यात्रा सफल न रहेगी।
१२	संदेह जनक है।
१३	अच्छा नहीं रहेगा।
१४	देर से मुक्त होगा।
१५	लौटने की आशा कम है।
१६	विवाद से मिलेगी।
१७	एक संतान बहुत मानेगी।
१८	आंशिक सत्य है।
१९	संयम से रहेंगे तो अच्छा बीतेगा।
२०	छुटकारे में देर है। उपासना करें।

उत्तरांक ४

प्रश्नसंख्या	
१	लाभ होगा पर देर से ।
२	ले लें पर शीघ्र निकालें ।
३	विश्वसनीय है पर सतर्क रहें ।
४	कठिनाई से मिलेगा ।
५	समझकर दें । अदायगी कर स्रोत समझ कर ।
६	आगे चलकर लाभप्रद रहेंगी ।
७	ठहर कर होगा ।
८	विजय में सन्देह है ।
९	आरोप कम हो जाएंगे ।
१०	उसे शुद्ध करलें, लाभप्रद रहेगी ।
११	ठीक रहेगी ।
१२	विश्वसनीय है ।
१३	मंगल का उपाय करलें तो ठीक रहेगा ।
१४	रोग की मुक्ति होगी पर देर से ।
१५	लौटने की आशा कम है ।
१६	नहीं मिलेगी ।
१७	कोई मानेगी ।
१८	अति रंजित है ।
१९	अच्छा बीतेगा ।
२०	देर से होगा, गायत्री जाप करें ।

उत्तरांक ५

प्रश्नसंख्या	
१	दो वर्ष उपरान्त लाभप्रद रहेगा ।
२	लाभ होगा, पर लोभ वश वेचनान रोके ।
३	साझीदार की ग्रहमैत्री मिलाकर करें ।
४	कठिनाई से मिलेगा ।
५	समझकर दें, निरापद नहीं ।
६	अच्छी रहेगी ।
७	होने में कुछ ही देर है ।
८	न्यायाधीश विपरीत रहेगा ।
९	आरोप से बरी होंगे पर बहुत देर में ।
१०	जायदाद में पैं है, समझलें ।
११	सुखद रहेगी । सन्मुख चन्द्रमा में जाए .
१२	विश्वसनीय हैं ।
१३	विचार नहीं मिलेंगे ।
१४	देर से रोग शांत होगा ।
१५	लौटना नहीं जान पड़ता ।
१६	कठिनाई से ।
१७	लड़कियां अधिक मान करेंगी ।
१८	कुछ हिस्सा सही हैं ।
१९	ठीक बीतेगा, परवस न रहें ।
२०	उपासना से छुटकारा होगा ।

उत्तरांक ६

प्रश्नसंख्या	
१	लाभ की पूरी संभावना है।
२	लाभप्रद रहेगी।
३	सांझीदार से लाभ रहेगा पर टिकेगी नहीं।
४	कर्ज मिलने में संदेह है।
५	कर्ज समझकर दे, समय ठीक नहीं।
६	कुछ दिनों बाद फलद होगी।
७	होने में कुछ ही देर है।
८	कठिनाई से जीतेंगे।
९	अच्छा वकील करें।
१०	परिवार के लिए ठीक है, पर उसे युद्ध करने।
११	अच्छी रहेगी।
१२	पूरा भरोसा न रखें।
१३	अच्छा रहेगा।
१४	रोग असाध्य है, उपासना का सहारा ले।
१५	लौटने की कम आशा है।
१६	मिलने में सन्देह है।
१७	सभी नहीं मानेगी।
१८	अतिरंजित है।
१९	खान-पान का विशेष ध्यान रखें।
२०	उपासना का सहारा लें।

उत्तरांक ७

प्रश्नसंख्या	
१	लाभप्रद रहेगा।
२	खरीद लें।
३	साझीदार विश्वसनीय है।
४	मिलने की संभावना है।
५	दे सकते हैं पर ब्याज कम ले।
६	अच्छी रहेगी।
७	निकट भविष्य में।
८	विजय की आशा रखें।
९	आरोप से बरी होने पर देख ले।
१०	ले सकते है।
११	अच्छी रहेगी।
१२	विश्वसनीय है।
१३	अच्छा रहेगा।
१४	रोग से मुक्त होगा पर देर से।
१५	लौटने की आशा है।
१६	मिलने की आशा है।
१७	मानेगी।
१८	सत्य प्रतीत होती है।
१९	अच्छा बीतेगा।
२०	छुटकारा होगा, कुछ ही देर हैं।

उत्तरांक ८

प्रश्नसंख्या	
१	समय से लाभप्रद रहेगा।
२	खरीद ले पर थोड़ी मात्रा में।
३	साझीदार ठीक हैं पर अवलंबित न हों।
४	श्रम साध्य है।
५	दे सकते हैं पर क्रमशः।
६	आगे चलकर लाभप्रद रहेगी।
७	निकट भविष्य में।
८	विजय होगी पर बहुत व्यय होगा।
९	कठिनाई से बरी होंगे।
१०	ठीक रहेगी।
११	अच्छी रहेगी।
१२	विश्वास योग्य है।
१३	अच्छा रहेगा।
१४	देर से मुक्त होगा।
१५	देर से लौटेगा।
१६	संदिग्ध है।
१७	मानेगी पर अधिक नहीं।
१८	सही है पर बढ़ा-चढ़ा कर।
१९	ठीक बीतेगा।
२०	उपासना से ठीक होगा।

उत्तरांक ९

प्रश्नसंख्या	
१	लाभ होगा पर ठहर कर।
२	खरीद लें पर अधिक रोकें नहीं।
३	साझीदार बना दें पर सतर्क रहें।
४	कठिनाई से मिलेगा।
५	समझकर दें।
६	कुछ दिनों बाद फलद होगी।
७	कुछ देर है।
८	मुकदमा लंबा चलेगा, अंत में विजय।
९	कठिनाई से बरी होंगे।
१०	अच्छी रहेगी पर उसे ठीक कर लें।
११	सफल रहेगी, सन्मुख चन्द्रमा में जाएं।
१२	मैत्री साधारण है।
१३	स्वभाव की जानकारी कर लें।
१४	रोग मुक्त होगा पर देर से।
१५	लौटने की आशा क्षीण है।
१६	देर से।
१७	साधारण
१८	उसमें कुछ सचाई है।
१९	शरीर का ध्यान रखें, ठीक रहेगा।
२०	देर से मिलेगा। शिवाराधन करे।

उत्तरसंख्या १०

प्रश्नसंख्या	
१	लाभ रहेगा पर खर्च अधिक रहेगा ।
२	जरा बाजार का रुख देख लें ।
३	साझीदार बना लें पर उसी पर सब कुछ न छोड़ें ।
४	कर्ज मिलेगा, इष्ट मित्रों से संपर्क करें ।
५	दीर्घकालीन न दें ।
६	फिलहाल ठीक है ।
७	स्थानान्तरण रुका हुआ है ।
८	दावे में त्रुटि है, ठीक करिए ।
९	बड़ी परेशानी से बरी होंगे ।
१०	अच्छी रहेगी बशर्ते संशोधित कर लें ।
११	कुछ कष्टप्रद रहेगी । मूहूर्त से चलें ।
१२	विश्वसनीय है पर काम कम आयगा ।
१३	बड़ों से सलाह लेकर करें ।
१४	देर लगेगी ।
१५	लौटना संभव नहीं जान पड़ता ।
१६	बहुत देर है ।
१७	यथा समय मानने लगेगी ।
१८	बढ़ा चढ़ा कर कही गई है ।
१९	खान पान का ध्यान रखें, ठीक से बीतेगा ।
२०	भगवान पर भरोसा रक्खें ।

उत्तरसंख्या ११

प्रश्नसंख्या	
१	लाभ होगा पर देर से ।
२	बाजार रुख मंदा जाएगा ।
३	सांझीदार ठीक है पर पूरा भरोसा न करें ।
४	कर्ज के लिए साख बनाएं ।
५	न दें तो अच्छा है ।
६	इस समय साधारण रहेगी ।
७	कुछ देर है ।
८	न्यायाधीश पक्ष में नहीं रहेगा ।
९	कठिनाई से बरी होंगे ।
१०	इसमें दोष है, ठीक करके लें ।
११	ठीक रहेगी पर दिशाशूल को न जाएं ।
१२	अधिक विश्वास न करें ।
१३	भावुकता में निर्णय न लें ।
१४	प्रयत्नशील रहें, ठीक हो जाएगा ।
१५	लौटने की कम आशा है ।
१६	मिलेगी पर विवाद से ।
१७	कम मानेगी ।
१८	अंशतः सही है ।
१९	ठीक से बीतेगा । दिनचर्या पर ध्यान दें ।
२०	मिलेगी पर देर से ।

उत्तरसंख्या १२

प्रश्नसंख्या	
१	लाभ में अधिक श्रम की आवश्यकता है।
२	ठहर कर लें।
३	साझीदार बना लें पर प्रभुत्व आपका रहे।
४	कर्ज के लिए सरकार से आवेदन करें, उद्योग धंधे के लिए।
५	अल्पकालीन दें।
६	ठीक रहेगी।
७	शीघ्र होने की सम्भावना है।
८	लम्बा चलेगा, विजय होगी।
९	बरी होने में बड़ी पैरवी करनी पड़ेगी।
१०	उसकी मिल्कियत में पै है।
११	अच्छी रहेगी।
१२	विश्वसनीय हे पर काम आने वाला नहीं।
१३	शील स्वभाव समझकर निर्णय लें।
१४	बीमारी लम्बी है।
१५	देर से लौटेगा।
१६	कोई लाभ नहीं।
१७	साधारण रूप से मानेगी।
१८	सही मालूम पड़ती है।
१९	अच्छा बीतेगा।
२०	देर से छुटकारा मिलेगा।

उत्तरसंख्या १३

प्रश्नसंख्या	
१	लाभप्रद नहीं रहेगा ।
२	न खरीदें हानि होगी ।
३	सांझीदार विश्वसनीय नहीं है ।
४	नहीं मिलेगा ।
५	समझ कर दें ।
६	ठीक नहीं रहेगी ।
७	कुछ देर से होगा ।
८	नहीं जीतेंगे ।
९	बरी नहीं होंगे ।
१०	न लें ।
११	ठीक नहीं रहेगी ।
१२	धिश्वसनीय नहीं है ।
१३	अच्छा नहीं रहेगा ।
१४	रोग मुक्त नहीं होगा ।
१५	नहीं लौटेगा ।
१६	नहीं मिलेगी ।
१७	नहीं मानेगी ।
१८	असत्य है ।
१९	अच्धा नहीं बीतेगा ।
२०	छुटकारा मिलना कठिन है ।

उत्तरसंख्या १४

प्रश्नसंख्या	
१	लाभ होगा पर देर से ।
२	विचार त्याग दीजिए ।
३	सांझीदार ठीक है पर अपना नियंत्रण रखें ।
४	कठिनाई से मिलेगा ।
५	अल्पकालीन दें ।
६	ठीक रहेगी।
७	कुछ विलंब है ।
८	उलझनें पैदा होंगी ।
९	कठिनाई से वरी होंगे ।
१०	ठीक रहेगी ।
११	अच्छी रहेगी, चन्द्रमा देख लें ।
१२	विश्वसनीय है ।
१३	स्वभाव की जानकारी प्राप्तकर करें ।
१४	देर लगेगी, मुक्त होगा ।
१५	लौटने की आशा नहीं ।
१६	देर से मिलेगी ।
१७	साधारण मानेगी ।
१८	आंशिक सत्य है ।
१९	अच्छा बीतेगा, अधिक चिंता न करें ।
२०	देर से छुटकारा मिलेगा। ग्रहशांति कराएं ।

उत्तरसंख्या १५

प्रश्नसंख्या	
१	लाभ की प्रतीक्षा करें, देर है ।
२	लाभप्रद ।
३	उससे लाभ होगा यदि सतर्क रहेंगे ।
४	मिलेगा, संबंधियों से संपर्क करे ।
५	कठिनाई से अदायगी होगी ।
६	साधारण रहेगी ।
७	प्रतीक्षा करें ।
८	कठिनाई से विजय होगी ।
९	कठिनाई से वरी होंगे ।
१०	उसमें पै है समझ कर ले ।
११	अच्छी रहेगी ।
१२	भरोसा कर सकते हैं ।
१३	कुल, शील का ठीक से पता करे ।
१४	देर में मुक्त होगा ।
१५	लौटने में संदेह है ।
१६	नहीं ।
१७	आश्म कम रखें ।
१८	वढ़ा चढ़ा कर है
१९	अच्छा वीतेगें, पराश्रित न, रहें ।
२०	मिलेगा, ईश की आराधना करें ।

उत्तरसंख्या १६

प्रश्नसंख्या	
१	देर से लाभ होगा ।
२	खरीदें पर अधिक देर तक न रोकें ।
३	सांझीदार अधिक दिनों तक नहीं टिकेगा ।
४	कठिन है ।
५	न दें तो अच्छा है ।
६	कर लें, फिलहाल ठीक है ।
७	होने वाला है ।
८	अधिक पैरवी की आवश्यकता है ।
९	आंशिक छुटकारा होगा ।
१०	आप के लिए ठीक रहेगी, परिवार जन से भी सम्मति लेलें ।
११	अच्छी रहेगी ।
१२	विश्वास कीजिए ।
१३	भावुकता में आकर संबंधस्थिर न करें, कुल शील देखलें ।
१४	देर से मुक्त होगा ।
१५	लौटेगा पर देर से ।
१६	देर से ।
१७	आशा कम रखें ।
१८	पूर्णतः सही नहीं है ।
१९	युक्त आहार विहार रखे, ठीक बीतेगा ।
२०	उपासना से दूर होगा ।

श्री रामायण प्रश्नोत्तरी

सु १	प्र २	उ ३	बि ४	हो ५	मु ६	ग ७	ब ८	सु ९	नु १०	बि ११	ध १२	धि १३	इ १४	द १५
र १६	रु १७	फ १८	सि १९	सि २०	रे २१	बस २२	है २३	मं २४	ल २५	न २६	ल २७	य २८	न २९	अ ३०
सुज ३१	सो ३२	ग ३३	सु ३४	कु ३५	म ३६	स ३७	ग ३८	त ३९	न ४०	ई ४१	ल ४२	धा ४३	बे ४४	ना ४५
त्य ४६	र ४७	न ४८	कु ४९	जा ५०	म ५१	रि ५२	र ५३	र ५४	अ ५५	कि ५६	हो ५७	मं ५८	रा ५९	य ६०
पु ६१	सु ६२	थ ६३	सी ६४	जे ६५	ई ६६	ग ६७	म ६८	सं ६९	क ७०	रे ७१	हो ७२	स ७३	स ७४	नि ७५
ति ७६	र ७७	त ७८	र ७९	स ८०	ई ८१	ह ८२	ब ८३	ब ८४	प ८५	चि ८६	स ८७	य ८८	स ८९	तु ९०
म ९१	का ९२	ा ९३	र ९४	र ९५	मा ९६	मि ९७	मी ९८	म्हा ९९	ा १००	जा १०१	हू १०२	हीं १०३	ा १०४	जू १०५
ता १०६	रा १०७	रे १०८	री १०९	ह ११०	का १११	फ ११२	खा ११३	जि ११४	ई ११५	र ११६	रा ११७	पू ११८	द ११९	ल १२०
णि १२१	को १२२	मि १२३	गो १२४	न १२५	म १२६	ज १२७	य १२८	ने १२९	मणि १३०	क १३१	ज १३२	प १३३	स १३४	ल १३५
हि १३६	रा १३७	म १३८	स १३९	रि १४०	ग १४१	द १४२	न १४३	प १४४	म १४५	खि १४६	जि १४७	मनि १४८	त १४९	जं १५०
सि १५१	मु १५२	न १५३	न १५४	को १५५	मि १५६	ज १५७	र १५८	ग १५९	धु १६०	ख १६१	सु १६२	का १६३	स १६४	र १६५
गु १६६	क १६७	म १६८	अ १६९	ध १७०	नि १७१	म १७२	ल १७३	ा १७४	न १७५	ब १७६	ती १७७	न १७८	रि १७९	भ १८०
ना १८१	पु १८२	व १८३	अ १८४	ढा १८५	र १८६	ल १८७	का १८८	ए १८९	तु १९०	र १९१	न १९२	नु १९३	व १९४	थ १९५
सि १९६	हृ १९७	सु १९८	म्ह १९९	रा २००	र २०१	स २०२	हि २०३	र २०४	त २०५	न २०६	प २०७	ा २०८	जा २०९	ा २१०
र २११	सा २१२	ा २१३	ला २१४	धी २१५	ा २१६	री २१७	जू २१८	हू २१९	हीं २२०	षा २२१	जू २२२	ई २२३	रा २२४	रे २२५

प्रश्नविधिः

एकाग्र मन से श्री भगवान रामचन्द्र जी के चरण कमलों का ध्यान कर अपने प्रश्न को मन में धार कर, ऊपर के २२५ कोष्ठक में से किसी एक कोष्ठक में अपनी एक अंगुलि रख देनी चाहिए। उन कोष्ठक में अंकित अंक के अनुसार प्रश्न का उत्तर श्री रामायण के दोहों में दिया गया है। उस दोहे के अर्थ के भाव के अनुसार फल को आंकना चाहिए। सभी प्रश्नों का उत्तर नौ चौपाइयों में ही सीमित है।

अंगुली रखे गए कोष्टक से आगे दूसरे कोष्टक से नवमां वा उसी कोष्टक से दसवां कोष्टक बरावर इसी प्रकार गिनकर जो अक्षरों की चौपाई बनेगी वह उस कोष्टक का उत्तर होगा। इसको सरल करने पर हमने प्रत्येक कोष्ठक को अंकों म परिणत करके अंकों के अनुसार उत्तर लिख दिया है। इस प्रकार प्रत्येक दसवें कोष्ठक का उत्तर एक ही होगा। किसी इच्छित अंक को ९ से भाग देने पर जो अंक शेष होगा, नौ उत्तरों में से उसी अंक का उत्तर होगा। इसकी सारणी नीचे दी जाती है। शेष शून्य से नवमां उत्तर होगा।

उदाहरण—किसी जिज्ञासू ने मन में प्रश्न किया कि मेरा अमुक कार्य सिद्ध होगा या नहीं। अंगुली अंक १८० पर रक्खी। १८० को ९ से विभाजित करने पर शेष शून्य आया। शून्य से अर्थ ९ है अस्तु उत्तर नवमां हुआ। सुफल मनोरथ होई तुम्हारे, रामलखन सुनि भए सुपारे॥



श्री रामायण प्रश्नोत्तरी का

रामायण के दोहों में उत्तर

प्रश्नसंख्या

१

प्रश्नसंख्या

अंक १, १०, १९, २८, ३७, ४६, ५५, ६४, ७३, ८२, ९१, १००, १०९, ११८, १२७, १३६, १४५, १५४, १६३, १७२, १८१, १९०, १९९, २०८, २१७ अंकों का उत्तर—

उत्तरसंख्या १

सुनु सिय सत्य असीस हम्हारी। पूजहि मन कामना तुम्हारी॥

२

प्रश्नसंख्या

२, ११, २०, २९, ३८, ४७, ५६, ६५, ७४, ८३, ९२, १०१, ११०, ११९, १२८, १३७, १४६; १५५, १६४, १७३, १८२, १९१, २००, २०९, २१८ अंकों का उत्तर—

उत्तरसंख्या २

प्रविसि नगर कीजे सब काजा। हृदय राखि कोसलपुर राजा॥

३

प्रश्न संख्या

३, १२, २१, ३०, ३९, ४८, ५७, ६६, ७५, ८४, ९३, १०२, १११, १२०, १२९, १३८, १४७, १५६, १६५, १७४, १८३, १९२, २०१, २१०, २१९ अंकों का उत्तर—

उत्तरसंख्या ३

उघरे अंत न होई निबाहू। काल नेमि जिमि रावण राहू॥

४

प्रश्नसंख्या

४, १३, २२, ३१, ४०, ४९, ५८, ६७, ७६, ८५, ९४, १०३, ११२, १२१, १३०, १३९, १४८, १५७, १६६, १७५, १८४, १९३, २०२, २११, २२० अंकों का उत्तर—

उत्तरसंख्या ४

विधिवस सुजन कुसंगति परहिं। फनि मनि सम निज गुन अनुसरहिं॥

५

प्रश्नसंख्या

५, १४, २३, ३२, ४१, ५०, ५९, ६८, ७७, ८६, ९५;

प्रश्नसंख्या

१०४, ११३, १२२, १३१, १४०, १४९, १५८, १६७, १७६, १८५, १९४, २०३, २१२, २२१ अंकों का उत्तर—

उत्तरसंख्या ५

होइहि सोई जो राम रचि राखा । को करि तरक बढ़ावहिं साखा ॥

६ प्रश्नसंख्या

६, १५, २४, ३३, ४२, ५१, ६०, ६९, ७८, ८७, ९६, १०५, ११४, १२३, १३२, १४१, १५०, १५९, १६८, १७७, १८६, १९५, २०४, २१३, २२२ अंकों का उत्तर—

उत्तरसंख्या ६

मुद मंगल मय संत समाजू । जो जग जंगम तीरथ राजू ॥

७ प्रश्नसंख्या

७, १६, २५, ३४, ४३, ५२, ६१, ७०, ७९, ८८, ९७, १०६, ११५, १२४, १३३, १४२, १५१, १६०, १६९, १७८, १८७, १९६, २०५, २१४, २२३ अंकों का उत्तर—

उत्तरसंख्या ७

गरल सुधारिपु करय मिताई । गो पद सिंधु अनल सितलाई ॥

८ प्रश्नसंख्या

८, १७, २६, ३५, ४४, ५३, ६२, ७१ ८०, ८९, ९८; १०७, ११६, १२५, १३४, १४३, १५२, १६१, १७०, १७९, १८८, १९७, २०६, २१५, २२४ अंकों का उत्तर—

उत्तरसंख्या ८

बरुन कुबेर सुरेस समीरा । रन सनमुख धरि काहू न धीरा ॥

९ प्रश्नसंख्या

९, १८, २७, ३६, ४५, ५४, ६३, ७२, ८१, ९०; ९९, १०८, ११७, १२६, १३५, १४४, १५३, १६२, १७१, १८०, १८९, १९८, २०७, २१६, २२५ अंकों का उत्तर—

उत्तरसंख्या ९

सुफल मनोरथ होई तुम्हारे । राम लषन सुनि भए सुखारे ॥

———



